CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-202
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर,रविवार 27 अक्टूबर 2024

आज का विचार

जब समय सही होगा , सारी चीजें खुद अपनी जगह पर आ जाएगी , धैर्य रखो!

तहसील में आत्मदाह का प्रयास, भाजपा नेता पर धमकाने का आरोप

टीकमगढ़। टीकमगढ़ के पलेरा तहसील परिसर में एक युवक ने डीजल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। वहां मौजूद लोगों ने उसे बचा लिया। युवक का आरोप है कि जतारा विधायक का भतीजा अतुल खटीक उसे धमका रहा है। इसी से परेशान होकर ये कदम उठाया। नगर के वार्ड -13 में रहने वाला हल्के साहू शुक्रवार को पलेरा तहसील परिसर पहुंचा। वह अपने साथ डीजल लाया था। उसने खुद पर डीजल उड़ेलना शुरू कर दिया। यह देख परिसर में मौजूद लोग उसकी तरफ दौड़े और उसे बचा लिया। तहसीलदार डॉक्टर अवंतिका तिवारी और पुलिस ने उसे कुर्सी पर बिठाया और पानी डालकर नहलवाया। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। भाजपा नेता की शिकायत करने पर धमकियां मिल रहीं हल्के साहू का कहना है, वार्ड - 13 में लोक सेवा केंद्र के पास मेरा मकान है। सामने जनपद अध्यक्ष शिल्पी खटीक के पति अतुल खटीक शासकीय जमीन पर कब्जा कर मकान बना रहा है। उसकी मैंने शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। जब से शिकायत दर्ज कराई है, तब से मुझे धमकियां मिल रही हैं। मैं अब परेशान हो गया हूं। भाजपा नेता अतुल खटीक जतारा विधायक हरिशंकर खटीक का भतीजा है। भाजपा नेता ने कहा- जमीन पर हल्के साहू का कब्जाजनपद पंचायत अध्यक्ष शिल्पी खटीक के पति और भाजपा नेता अतुल खटीक का कहना है कि संबंधित भूमि आबादी में है, जिस पर उनके पिता का सालों से कब्जा है। इस जमीन पर हल्के साहू ने मकान बना लिया है। जो जमीन बची है, उस पर भी कब्जा करना चाह रहा है।सीएमओ ने दिए थे कब्जा हटाने के निर्देश सीएमओ दिलीप पाठक का कहना है कि 23 अक्टूबर को हल्के साहू ने मामले की शिकायत की थी। जिसके बाद अतुल खटीक को नोटिस जारी किया था। 24 घंटे के अंदर कब्जा हटाने की हिदायत दी थी।तहसीलदार डॉ. अवंतिका तिवारी का कहना है कि नगरीय क्षेत्र का मामला है। सीएमओ ने नोटिस जारी कर दिया है। मामले की जांच के निर्देश दिए गए हैं।पलेरा टीआई मनीष मिश्रा ने बताया कि हल्के साहू ने दबाव बनाकर अपना काम करवाने के लिए आत्मदाह का प्रयास किया। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दो हिस्सों में बंटी कोयले से भरी मालगाड़ी, कई डिब्बे पीछे छूटे

बीना। कटनी-बीना रेलखंड के तीसरे ट्रैक पर कपलिंग टूटने से मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई। 40 वैगन की मालगाड़ी सिंगरौली से कोयला लोड कर झांसी जा रही थी। कपलिंग टूटने के बाद तीसरी रेलवे लाइन पर रेल ट्रैफिक बंद हो गया है। हालांकि, इस रूट पर चलने वाली ट्रेनों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। कपलिंग का पूरा हिस्सा ही वैगन से उखड़ गया। इसकी वजह कोयला लोडिंग से बढ़े वजन और खिंचाव को बताया जा रहा है। घटना ठाकुर बाबा रेलवे फाटक और सुमरेरी रेलवे स्टेशन के बीच की है। कपलिंग टूटने से मालगाड़ी का एक हिस्सा करीब 100 मीटर आगे निकल गया। मालगाड़ी में सबसे पीछे के केबिन में ड्यूटी पर तैनात मालगाड़ी मैनेजर ने वॉकी-टॉकी से लोको पायलट को इसकी सूचना दी, जिन्होंने तत्काल ट्रेन को रोक दिया।कपलिंग इस तरह टूटी कि वैगन की लोहे की चादर तक उखड़ गई। ऐसा लगता है कि मालगाड़ी में लोड ज्यादा होने और स्पीड कम ज्यादा होने पर झटके लगने की वजह से कपलिंग टूटी, जिससे मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई थी। कोयले से भरी मालगाड़ी सिंगरौली से मालखेड़ी स्टेशन से होते हुए झांसी की ओर जा रही थी। कपलिंग टूटने से 40 डिब्बे अलग हो गए। इसकी जानकारी लगते ही सीएंडडब्ल्यू स्टाफ के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल, आगे के हिस्से को इंजन के साथ खुरई स्टेशन पर खड़ा किया गया है।मालगाड़ी में 112 वैगन थे, 38 अलग हो गए कोयले से भरी डबल मालगाड़ी में करीब 112 डिब्बे थे। कपलिंग टूटने से मालगाड़ी में एक इंजन से 56 डिब्बे जुड़ थे और दूसरे इंजन से 56 डिब्बे जुड़े हुए थे। इस तरह से कुल 112 वैगन थे। इसमें दूसरी मालगाड़ी के 38 डिब्बे अलग हो गए।

सीएम डॉ. मोहन यादव की अगले सप्ताह रतलाम आने की तैयारी

रतलाम। सीएम डॉ. मोहन यादव आगामी सप्ताह रतलाम आ सकते हैं। संभावना जताई जा रही है कि माणकचौक स्थित महालक्ष्मी मंदिर पहुंचकर सीएम दर्शन करेंगे। उनके संभावित दौरे को देखते हुए कलेक्टर राजेश बाथम ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ शनिवार सुबह महालक्ष्मी मंदिर पहुंचकर व्यवस्था देखीं। बता दें कि महालक्ष्मी मंदिर पर नोटों व आभूषणों से सजावट का कार्य जारी है। अब तक 70 लाख से अधिक कीमत के नोट मंदिर में सजावट के लिए आ चुके हैं। सुबह कलेक्टर बाथम के साथ अपर कलेक्टर आरएस मंडलोई, तहसीलदार ऋषभ ठाकुर, नाजिर भेरुलाल मालवीय महालक्ष्मी मंदिर पहुंचे। मां लक्ष्मी के दर्शन कर सजावट कार्य की तैयारियों का जायजा लिया। दीपावली पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसलिए आने-जाने वाले मार्ग को देखा। साथ ही अगर कोई वीआईपी आता है तो मंदिर में दर्शन के लिए वैकल्पिक मार्ग, पार्किंग समेत अन्य व्यवस्था भी देखी। अधिकारियों ने माणकचौक पुलिस थाना परिसर व थाने के सामने शासकीय उमावि स्कूल परिसर में जाकर पार्किंग की भी व्यवस्था देखी।

कानपुर में कारोबारी की पत्नी की हत्या

4 महीने से थी लापता, जिम ट्रेनर ने डीएम बंगले के पास शव दफनाया, गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के कानपुर में 4 माह से लापता कारोबारी की पत्नी का शव डीएम बंगले के पास गड्ढे में दफन मिला है। पुलिस ने हत्यारोपी जिम ट्रेनर विमल सोनी को भी गिरफ्तार कर लिया है। महिला उसके जिम में ट्रेनिंग के लिए आती थी। लेकिन किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद उसने 24 जून को महिला की हत्या कर यहां दफना दिया। कानपुर पुलिस ने बताया के मुताबिक, कारोबारी राहुल गुप्ता की पत्नी एकता गुप्ता की हत्या जिम ट्रेनर विमल सोनी ने 4 माह पहले की थी। उसे गड्ढे में दफनाकर लाखों रुपए के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गया था। कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही थी।

ऐसे पकड़ में आया आरोपी

एकता गुप्ता को आखिरी बार जिम से बाहर आते हुए देखा गया था। पुलिस को जिम ट्रेनर विमल कुमार पर शक था। घटना के बाद से वह भी फरार था। उसका मोबाइल भी स्विचऑफ था। पुलिस ने पंजाब, आगरा और पुणे में दबिश दी, लेकिन विमल नहीं मिला। पुलिस को शक था कि जिम ट्रेनर महिला को कहीं भाग ले गया है, लेकिन 25 जून को सिविल लाइन्स से बरामद कार में जब रस्सी, टूटा क्लेचर, टॉवेल और सिम-ट्रे मिले तो हत्या की आशंका हुई। पुलिस आरोपी की तलाश में 4 महीने तक विभिन्न ठिकानों पर दबिश देती रही, लेकिन पता नहीं चला। शनिवार को उसकी लोकेशन माल रोड पर मिली तो पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

दिवाली से पहले बांद्रा टर्मिनस पर भगदड़ गोरखपुर जा रही ट्रेन में बैठने की होड़ में 9 यात्री जख्मी, विपक्ष ने रेलमंत्री पर ठीकरा फोड़ा

मुंबई के बांद्रा टर्मिनस पर दिवाली से पहले रविवार सुबह यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। इस दौरान रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर ट्रेन में चढ़ने के दौरान भगदड़ मच गई, जिससे 9 यात्री घायल हो गए, जिनमें से 2 की हालत गंभीर है। बताया जा रहा है कि जिस वक्त भगदड़ मची, तब बांद्रा-गोरखपुर ट्रेन रवाना होने वाली थी। बीएमसी (बृहन्मुंबई महानगरपालिका) ने बताया कि सभी घायल यात्रियों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और प्रशासन की टीमें घटना की जांच कर रही हैं। **भगदड़ पर संजय राउत ने मोदी सरकार को घेरा** शिवसेना के संजय राउत ने कहा- मोदी सरकार के तीसरी बार सत्ता में आने और रेलवे मंत्री को फिर से जिम्मेदारी सौंपे जाने के बाद देशभर में 25 से ज्यादा बड़े रेल हादसे हुए, जिनमें 100 से ज्यादा लोगों की जान चली गई... आप बुलेट ट्रेन, मेट्रो और हाई-स्पीड ट्रेनों की बात करते हैं और नितिन गडकरी हवाई बसें चलाने की बात करते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत क्या है? जिस तरह से यात्रियों को चोटें आई हैं, क्या इसके लिए रेल मंत्री जिम्मेदार नहीं हैंराउत ने सवाल उठाया कि रेल सुरक्षा के मामले में सरकार की जिम्मेदारी कहां है और इन हादसों के लिए रेलवे मंत्री को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने रेलवे में सुधार की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि सरकार को अपनी प्राथमिकताओं पर दोबारा विचार करना चाहिए।

विवेक तन्खा मानहानि मामले में जारी रहेगा ट्रायल

शिवराज, वीडी शर्मा और भूपेंद्र सिंह की याचिका खारिज

भोपाल। मध्य प्रदेश के तीन बड़े बीजेपी नेताओं शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा और भूपेंद्र सिंह को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनके खिलाफ चल रहे मानहानि केस को रद्द करने से इनकार कर दिया है। यह मामला कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ वकील विवेक तन्खा ने दायर किया था। तन्खा का आरोप है कि इन तीनों नेताओं ने उनके खिलाफ मीडिया में अपमानजनक बयान दिए और सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट की कार्रवाई का गलत प्रचार किया। इसके लिए उन्होंने तीनों नेताओं पर आपराधिक अवमानना और 10 करोड़ रुपये के हजार्ने का दावा ठोका है। इस मामले में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में सुनवाई चल रही थी। 21 सितंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद हाई कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। शुक्रवार को आए फैसले में जस्टिस संजय द्विवेदी ने तीनों नेताओं की याचिका खारिज कर दी। याचिका में उन्होंने मानहानि केस को रद्द करने की मांग की थी।

हाईकोर्ट ने लगाई रोक इससे पहले निचली अदालत ने तीनों नेताओं को समन और वारंट जारी कर हाजिर होने को कहा था। इसके बाद शिवराज सिंह चौहान, वीडी शर्मा और भूपेंद्र सिंह ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ जारी वारंट पर रोक लगा दी थी।

कांग्रेस नेता विवेक तन्खा का आरोप विवेक तन्खा ने अपनी शिकायत में कहा था कि इन नेताओं ने प्रिंट और टीवी मीडिया में मेरे खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की और सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के समक्ष हुई कार्रवाई का दुष्प्रचार करने का दंडनीय अपराध किया।

फेमस वकील कपिल सिब्बल कर रहे पैरवी तन्खा की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और हरजस छाबड़ा ने पैरवी की, जबकि शिवराज और अन्य की ओर से वरिष्ठ वकील सुरेंद्र सिंह ने पक्ष रखा। यह मामला मध्य प्रदेश की राजनीति में काफी चर्चा का विषय बना हुआ है।

वकील की अंगुली चबा गया छात्र हाईकोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

फरियादी पक्ष के अधिवक्ता ने कहा- हथियार की श्रेणी में नहीं आते दांत

जबलपुर। जबलपुर हाई कोर्ट ने जमीन को लेकर विवाद में एक अधिवक्ता की अंगुली चबा जाने के आरोपी इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र को अग्रिम जमानत दे दी। आरोपी को जमानत देते हुए कोर्ट ने कहा कि कटनी की रंगनाथ चौकी पुलिस ने आरोपी लड़के पर गलत धाराएं लगाई थीं जिन्हें वे साबित नहीं कर पाए।

न्यायमूर्ति मनिंदर सिंह भट्टी की एकलपीठ ने दांत को हथियार की श्रेणी में न पाते हुए आरोपी इंजीनियरिंग छात्र को अग्रिम जमानत दे दी। दरअसल, पुलिस ने जमीन के विवाद के दौरान दांत से एक अधिवक्ता की अंगुली चबाने का केस दर्ज किया था। इसी केस में गिरफ्तारी से बचने के लिए इंजीयिरिंग छात्र ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। आवेदक उत्सव राय की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त ने पक्ष रखते हुए कहा कि इस प्रकृति के प्रकरण में अधिक से अधिक धारा-325 लगाई जा सकती है, जो कि जमानती है। वहीं पुलिस धारा-326 अंतर्गत गिरफ्तार करना चाहती है, अतः अग्रिम जमानत अपेक्षित है।

भूखंड पर कब्जे को लेकर हुआ था विवाद अग्रिम जमानत अर्जी के विरोध में सरकारी वकील ने कहा कि 10 जून 2024 को कटनी जिला अंतर्गत रंगनाथ पुलिस चौकी के समीप एक भूखंड पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया था। इस दौरान दोनों पक्ष हाथापाई करने लगे। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने दलील दी कि शिकायतकर्ता अधिवक्ता ने उत्सव का मुंह पीछे से पकड़ लिया था। अन्य लोग भी उसे पकड़ कर पीट रहे थे। इसी दौरान आवेदक ने अधिवक्ता की अंगुली न केवल काट ली बल्कि चबाकर निगल तक ली। ऐसे वीभत्स प्रकरण में अग्रिम जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

खुद को बचाने के लिए कुछ नहीं सूझा आवेदक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त ने दलील दी कि मौके पर जो कठिन परिस्थिति बनी थी, उसमें आवेदक ने स्वयं को बचाने के लिए कोई दूसरा उपाय न सूझने पर दांतों से अधिवक्ता की अंगुली चबा ली थी। घटना के उपरांत घायल अधिवक्ता को अस्पताल ले जाया गया था, जबकि उत्सव को पुलिस ने पकड़ लिया था। उत्सव के विरुद्ध अनुचित धारा में अपराध भी कायम कर लिया। वास्तव में उत्सव कोई अपराधी नहीं है।

महाराष्ट्र में पीएम मोदी और योगी समेत प्रचार करेंगे 40 नेता

भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को है मतदान, 23 को मतगणना

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने शनिवार को अपने 23 प्रत्याशियों का ऐलान किया। इसके कुछ देर बाद ही भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी। सूची में पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ समेत 40 नेताओं के नाम शामिल हैं। यह सभी नेता विधानसभा चुनाव और नांदेड़ लोकसभा उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करेंगे।20 नवंबर को महाराष्ट्र की कुल 288 विधानसभा सीटों पर मतदान है। 23 नवंबर को मतगणना होगी। भाजपा सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन का हिस्सा है। इसमें शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और वर्तमान डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि महायुति ने 278 सीटों पर बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। जल्द ही भाजपा प्रत्याशियों की अगली सूची आएगी।

भोपाल से आज से रोज मिलेगी गोवा के लिए फ्लाइट

एयरपोर्ट का विंटर शेड्यूल जारी - कोलाकाता के लिए भी शुरू होगी फ्लाइट

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट पर सर्दियों का नया शेड्यूल रविवार से लागू होगा। इसके तहत 15 दिसंबर तक 8 नई उड़ानें शुरू होंगी, जिनमें गोवा के लिए रोजाना उड़ान भी शामिल है। इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और फ्लाई बिग जैसी कंपनियों ने नए स्लॉट हासिल किए हैं। इससे भोपाल से पुणे, कोलकाता, गोवा और दतिया जैसे शहरों के लिए सीधी उड़ान सेवाएं मिलेंगी।

राजा भोज एयरपोर्ट पर विंटर शेड्यूल रविवार से शुरू हो रहा है। इस दौरान यात्रियों को 8 नई उड़ानों की सौगात मिलेगी। इंडिगो एयरलाइन्स 1 दिसंबर से भोपाल से गोवा के लिए रोजाना उड़ान सेवा शुरू करेगी। इसके अलावा इंडिगो पुणे के लिए भी पहली बार उड़ान सेवा शुरू करने जा रही है, जिसकी शुरूआत 27 अक्टूबर से होगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस 15 दिसंबर से भोपाल से बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई के लिए नई उड़ानें शुरू करेगी। वहीं, जनवरी से दिल्ली के लिए भी उड़ान सेवा शुरू करने की योजना है। फ्लाई बिग भी रविवार से भोपाल से दतिया के लिए रोजाना उड़ान सेवा शुरू करेगी।

हर दिन 50 फ्लाइट्स भरेंगी उड़ान एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के मुताबिक, इस बार का विंटर शेड्यूल काफी अच्छा रहने की उम्मीद है। कुछ नई एयरलाइंस भी भोपाल आने की तैयारी में हैं। अगर ऐसा होता है तो यह पहला मौका होगा जब एयरपोर्ट पर रोजाना औसतन 50 उड़ानें होंगी।

इन शहरों के लिए सीधी उड़ान फिलहाल भोपाल से दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु, जयपुर, उदयपुर, रायपुर और लखनऊ के लिए सीधी उड़ान सेवाएं उपलब्ध हैं। नई उड़ानें शुरू होने के बाद भोपाल का सीधा हवाई संपर्क 13 शहरों से हो जाएगा, जिनमें पुणे, कोलकाता, गोवा और दतिया जैसे नए डेस्टिनेशन भी शामिल हैं।

कोलाकाता और गोवा के लिए बंद कर दी थी फ्लाइट इंडिगो ने कुछ समय पहले कोलकाता और गोवा के लिए अपनी उड़ान सेवा बंद कर दी थी, लेकिन अब विंटर शेड्यूल में फिर से इन शहरों के लिए स्लॉट मांगे हैं। कोलकाता के लिए 29 अक्टूबर से उड़ानें शुरू होनी थीं, लेकिन विमानों की कमी के चलते यह तारीख आगे बढ़ सकती है। इंडिगो ने कोलकाता के लिए हफ्ते में तीन दिन (मंगलवार, गुरुवार और शनिवार) उड़ान सेवा देने का प्रस्ताव रखा है।

महाकाल मंदिर की भस्म आरती में हाईटेक एंट्री

रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बेंड पहनने पर ही भस्म आरती में कर सकेंगे प्रवेश

दीपावली के बाद उज्जैन के महाकाल मंदिर में लागू होगी नई व्यवस्था, अनधिकृत प्रवेश पर लगेगी रोक

उज्जैन। महाकाल मंदिर की रोज सुबह होने वाली भस्म आरती में प्रवेश के लिए अब सभी भक्तों को अपने हाथों की कलाई पर रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बेंड पहनना अनिवार्य होगा। महाकाल मंदिर समिति यह व्यवस्था नवंबर के पहले सप्ताह में लागू करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए टेस्टिंग भी शुरू कर दी गई है। इससे महाकाल मंदिर में अनाधिकृत प्रवेश पर रोक तो लगेगी ही साथ ही ये भी पता होगा कि कितने भक्तों को अनुमति दी गई है और कितने ने प्रवेश किया है। महाकाल मंदिर में अब जल्द ही आधुनिक तरीके अपना कर महाकाल के भक्तों को प्रवेश मिलेगा। ये ठीक वैसा ही होगा जैसे कई बड़े कंसर्ट, पब और बड़े स्टेज शो में लोगो की इंट्री के समय कलाई पर रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बेंड बांधा जाता है। महाकाल मंदिर के प्रशासक गणेश धाकड़ ने बताया कि इसे जल्द शुरू कर दिया जायेगा। भस्म आरती में टिकट दिखाने के बाद सभी प्रमुख गेट पर इसकी सुविधा होगी। साथ ही सभी भक्तों को भस्म आरती के दौरान इससे पहनना अनिवार्य होगा। इसी से प्रवेश मिलेगा। धाकड़ के मुताबिक इंदौर की कंपनी को ठेका दिया गया था, तैयारी पूरी कर ली है। इसके लिए एप, कम्प्यूटर, स्कैनर आदि अगले हफ्ते तक इंस्टाल हो जाएंगे। नवम्बर माह से भस्म आरती में प्रवेश रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन से होगा।

टिकट दिखाने के बाद सभी प्रमुख गेट पर होगा उपलब्ध कंपनी द्वारा इसे प्राथमिक रूप से तैयार कर लिया है। फिलहाल इसे यूज एंड थ्रो वाले कागज का बनवाया गया

है, जिसमें बारकोड स्कैनर के साथ-साथ नाम, उम्र, पता, तारीख और समय भी प्रिंट होगा। इसके लिए कंपनी रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड की टेस्टिंग कर रही है। भस्म आरती में टिकट दिखाने के बाद श्रद्धालु मानसरोवर से एंट्री करने के बाद सभी प्रमुख गेट पर रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड की सुविधा होगी। साथ ही सभी भक्तों को भस्म आरती के दौरान इसे पहनना अनिवार्य होगा।

बैंड में होगी श्रद्धालु की पूरी जानकारी रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड) पूरी तरह चिप प्रोसेस पर काम करता है, जिसमें श्रद्धालु की जानकारी को फीड किया जाएगा। जब श्रद्धालु अपने ऑनलाइन या ऑफलाइन टिकट या परमिशन को लेकर मंदिर के अंदर प्रवेश करेंगे तो उससे पहले एक काउंटर पर बार कोड स्कैन कर श्रद्धालु को कलाई पर बांधने के लिए एक बैंड दिया जाएगा। इसमें उस श्रद्धालु की पूरी जानकारी होगी। श्रद्धालु को भस्म आरती में प्रवेश से लेकर भस्म आरती खत्म होने तक अपनी कलाई पर रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड को बांधकर रखना होगा। आरती खत्म होने के बाद मंदिर समिति के कर्मचारियों को निर्धारित काउंटर पर इसे जमा भी करना होगा।

अभी प्रायोगिक तौर पर कर रहे लागू, बाद में खुलेंगे बैरियर महाकाल मंदिर के प्रशासक गणेश धाकड़ ने बताया कि शुरूआत में इसे प्रायोगिक रूप से लागू कर रहे हैं। इसके बाद मंदिर के मुख्य द्वार पर फ्लैप बैरियर लगाए जाएंगे। उससे इन रेडियो-फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन बैंड को जोड़ा जाएगा। नई तकनीक का इस्तेमाल कर एयरपोर्ट जैसी सुविधा भी मिल सकेगी, जिसके तहत रेडियो-फ्रीक्वेंसीआइडेंटिफिकेशन बैंड को पहनकर आने वाले भक्तों के लिए फ्लैप बैरियर ऑटोमेटिक खुल जाएंगे।

सिंगल कॉलम

इंदौर पुलिस के यमराज जवाहरसिंह जादौन की करंट लगने से मौत

इंदौर। कोरोनाकाल में यमराज का वेश बनाकर लोगों को शारीरिक दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित करने वाले हेड कांस्टेबल जवाहरसिंह जादौन की शुक्रवार को करंट लगने से मौत हो गई। वह जूनी इंदौर थाने के पीछे शासकीय आवास के बाहर सुबह करीब 11.30 बजे गाय को नहला रहे थे कि आसपास फैले बिजली के तारों से उन्हें करंट लग गया। इसके बाद स्वजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। जादौन एमजी रोड थाने में भी पदस्थ रह चुके हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंप दिया है। बता दें कि हेड कांस्टेबल जादौन कोरोनाकाल में लोगों से एक मीटर की दूरी बनाए रखने और घर से बाहर नहीं निकलने की अपील करते हुए प्रसिद्ध हुए थे।

पत्नी से तलाक का बोलकर हिंदू युवती से दुष्कर्म, टुकड़े-टुकड़े कर फेंकने की धमकी दी

इंदौर- लसूड़िया पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर देवास के सादिक खान पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपित पांच साल से युवती के साथ दुष्कर्म कर रहा था। उसकी शादी भी हो चुकी है। आरोपित ने पत्नी से तलाक का बोला और युवती से संबंध बनाए। पीड़िता ने शादी करने के लिए कहा तो हत्या कर टुकड़े-टुकड़े कर फेंकने की धमकी दी। पुलिस के मुताबिक बीए की पढ़ाई के बाद युवती 2018 में एक निजी कंपनी में नौकरी करने लगी थी। आरोपित सादिक शेख भी उसके साथ नौकरी करता था। दोनों में परिचय हुआ और सादिक उससे बातचीत करने लगा।सादिक ने युवती से प्रेम का इजहार किया और उससे मिलने जुलने लगा। 1 मार्च 2019 को मिलने के बहाने सादिक युवती के रूम पर आया और शादी का झांसा देकर जबरदस्ती शारीरिक संबंध बना लिए। आरोपित ने शादी के लिए धर्म परिवर्तन की शर्त रख दी। युवती द्वारा इन्कार करने पर सादिक ने मुस्लिम समुदाय की युवती से शादी कर ली। पीड़िता ने भी उससे बातचीत बंद कर दी। 2021 में सादिक ने पुन- युवती को मैसेज करना शुरु कर दिया। आरोपित ने कहा कि पत्नी से तलाक हो चुका है।फरवरी 2021 में मिलने के बहाने आया और युवती से पुन- संबंध बनाए। उसने कहा कि पत्नी को तलाक दे चुका है।अब तुमसे ही शादी करुंगा। कई दिनों तक शादी न करने पर युवती द्वारा दबाव बनाया तो सादिक धमकाने लगा। युवक ने युवती से कहा कि मैं शादी नहीं करुंगा और हत्या करने की धमकी दी। कहा कि शव के टुकड़े टुकड़े कर फेंक दूंगा। पीड़िता ने परिचितों की मदद ली और लसूड़िया थाने में केस दर्ज करवाया। एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्र सिंह के मुताबिक पुलिस ने शनिवार को देवास के रहने वाले आरोपित सादिक शेख को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित गिरफ्तारी के डर से दिल्ली भाग गया था। टीम ने मोबाइल लोकेशन के आधार पर सादिक को नोयडा से पकड़ा है।

इंदौर एयरपोर्ट पर रविवार से लागू होगा विंटर सीजन, आधा दर्जन उड़ानों का समय बदलेगा

इंदौर। देशभर के एयरपोर्ट के साथ ही इंदौर एयरपोर्ट पर विंटर सीजन (शीत ऋतु) 27 अक्टूबर से शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही इंदौर से यात्रियों को चार नई उड़ानों की सौगात मिलने जा रही है। ये उड़ानें दिल्ली, जयपुर, पुणे और चेन्नई के लिए संचालित होंगी। इन उड़ानों के शुरू होने से यात्रियों को अतिरिक्त विकल्प भी मिलेगा। विंटर सीजन से इंदौर से पुणे के लिए तीन सीधी उड़ानें संचालित होंगी, जबकि पुणे और चेन्नई के लिए दो-दो उड़ानों की सुविधा इंदौरियों को मिलने लगेगी। हालाकि इंदौर से दो शहरों वाराणसी और सूरत के लिए हवाई संपर्क टूट रहा है। इंडिगो विमान कंपनी इन दोनों शहरों के लिए रविवार से सीधी उड़ान बंद कर देगी। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार से विंटर सीजन की शुरुआत के साथ ही इंडिगो विमान कंपनी जयपुर के लिए नियमित और चेन्नई और पुणे के लिए सप्ताह में तीन दिन सीधी उड़ानें सचालित करेगी। जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस दिल्ली की नियिमित उड़ान शुरू कर रही है। दोनों कंपनियों ने उड़ानों की घोषणा करते हुए पहले ही बुकिंग शुरू कर दी थी। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जौदान का कहना है कि चारों उड़ानों के शुरू होने से यात्रियों को बहुत फायदा होगा। यात्रियों के लिए यात्रा विकल्प भी बढ़ेंगे।

आरोपी युवक ने दी टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी, दुष्कर्म का केस दर्ज

शादी का झांसा देकर बनाए संबंध, फिर धर्म परिवर्तन का बनाने लगा दबाव

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। लसूड़िया थाना पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर धर्म विशेष के युवक के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता से कई बार शारीरिक संबंध बनाए। जब भी पीड़िता शादी के लिए कहती वो टाल देता। बाद में मारपीट तक करने लगा। धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने लगा। इनकार करने पर मारकर टुकडे-टुकड़े कर फेंकने की धमकी तक दी।

पीड़िता की शिकायत पर लसूड़िया थाना पुलिस ने सादिक शेख के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसने बीए की पढाई की है। वो साल 2018 में जॉब के सिलसिले में इन्दौर में आई थी। यहां टेली परफॉर्मेंस कम्पनी मे सर्विस करती थी। वहां पर सादिक शेख भी जॉब करता था। उससे बातचीत और परिचय हो गया। कुछ दिनों के बाद ही सादिक उसे शादी के लिए प्रपोज कर दिया।

1 मार्च 2019 को वो पीड़िता के रूम पर आया और जबर्दस्ती संबंध बनाए। पीड़िता ने जब आरोपी से शादी के लिए कहा तो उसने उसका धर्म अपनाना के लिए दबाव बनाया। पीड़िता ने धर्म बदलने से मना कर दिया। इसी बीच आरोपी ने परिवार के कहने पर दूसरी लड़की से शादी कर ली। इसके बाद पीड़िता से उसका संपर्क खत्म हो गया।

शादी के बाद भी करता रहा परेशान

साल 2021 में आरोपी सादिक ने पीड़िता को मिलने के लिए मैसेज किया। पीड़िता ने मना किया। कहा कि तुम्हारी शादी हो चुकी है। इस पर आरोपी ने तलाक होने की बात उसे बताई और मिलने के लिए दबाव बनाया।

फरवरी 2021 में पीड़िता के मकान पर आरोपी मिलने आया और जबर्दस्ती संबंध बनाए। आरोपी ने कहा कि पत्नी से तलाक हो गया है और मैं तुमसे शादी करूंगा। इसके बाद आरोपी ने कई बार पीड़िता के रूम पर आकर संबंध बनाए।

परिचित ने दी हिम्म तो पहुंची थाने

पीड़िता शादी के लिए कहती तो आरोपी मारपीट करता। इतना ही नहीं आरोपी ने पीड़िता को धमकी दी कि यदि उसने दोनों के संबंध की बात किसी को बताई तो वो उसे मारकर उसके टुकड़े-टुकड़े कर फेक देगा। डर के कारण पीड़िता ने पहले तो किसी को यह बात नहीं बताई।

बाद में एक परिचित को पूरा मामला बताया। उसने पीड़िता को हिम्मत दी। इसके बाद वो थाने पहुंची और केस दर्ज कराया है।

शहर में दीपावली मनाने पर हुआ अंतिम निर्णय

महालक्ष्मी मंदिर में 31 अक्टूबर और खजराना गणेश में 1 नवंबर को मनेगी दीपावली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर इंदौर में दीपावली कब मनेगी इस बात पर अंतिम निर्णय हो गया है। इस साल दीपावली के लिए दो दिन बताए गए थे। 31 अक्टूबर और 1 नवंबर। दोनों ही दिनों के लिए विद्वानों के अपने अपने तर्क हैं। इस विषय में कई बैठकें हुई और कई दिनों तक चर्चाओं का दौर भी चलता रहा। अब इस पर अंतिम निर्णय लिया जा चुका है। इंदौर में कई प्रमुख मंदिरों में 31 अक्टूबर और कई प्रमुख मंदिरों में 1 नवंबर को दीपावली मनेगी।

इंदौर के सबसे प्रमुख महालक्ष्मी मंदिर में 31 अक्टूबर को दीपावली मनेगी। होलकर राज परिवार के इस मंदिर में पंडित भानु प्रकाश दुबे ने 31 अक्टूबर को ही दीपावली मनाने का निर्णय लिया है। उनका कहना है कि दीपोत्सव रात का त्योहार है और 31 अक्टूबर से ही मुख्य मुहूर्त शुरू होगा जो रातभर रहेगा।

अगले दिन यह मुहूर्त सिर्फ दोपहर तक ही रहेगा तो रात में दीपावली मनाना तर्क सम्मत नहीं होगा।

रणजीत हनुमान में 1 नवंबर को मनेगी दीपावली

शहर के विश्वप्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर, रणजीत हनुमान मंदिर और बड़ा गणपति में 1 नवंबर को ही दीपावली मनेगी। श्री श्री विद्या धाम मंदिर, वीर बगीची हनुमान मंदिर और वेंकटेश मंदिर छत्रीबाग सहित इंदौर के कई अन्य प्रमुख मंदिरों में भी 1 नवंबर को ही दीपावली मनेगी।

देव पूजन के लिए प्रतिपदा से युक्त अमावस्या ही श्रेष्ठ

दीपावली की तारीख को लेकर चल रहे संशय पर शहर के शासकीय संस्कृत महाविद्यालय में सभी प्रमुख पंडितों और विद्वानों की बैठक रखी गई। मध्य प्रदेश ज्योतिष एवं वास्तु परिषद के अध्यक्ष पंडित रामचंद्र शर्मा वैदिक और शासकीय संस्कृत महाविद्यालय इंदौर के विभागाध्यक्ष डॉ विनायक पाण्डेय ने बताया कि बैठक में यह निश्चित हुआ कि दीप पर्व यानी लक्ष्मी पूजन 01 नवंबर को ही मनाए जाने के योग्य है। धर्मशास्त्रों के अनुसार देव पूजन के लिए प्रतिपदा से युक्त अमावस्या ही श्रेष्ठ कही गई है। साथ ही दीपावली के लिए प्रदोषकाल भी प्रशस्त कहा गया है। मप्र और देश के पश्चिम क्षेत्रों में ये दोनों तथ्य 1 नवंबर को ही मिल रहे हैं। इसके साथ ही इस दिन प्रदोषकाल में आयुष्मान योग है। स्वाति नक्षत्र भी इसी दिन है इसलिए धर्म शास्त्र अनुसार दीपावली 1 नवंबर को मनाना ही उचित है।

विभिन्न राज्यों के परिषद का निर्णय वाचन किया

बैठक में विभिन्न राज्यों के विद्वत परिषद और प्रमुख शहरों के विभिन्न परिषद द्वारा भेजे गए संदेश का वचन भी किया गया। इसमें दिल्ली उत्तराखंड हिमाचल गुजरात राजस्थान अयोध्या सूरत जयपुर जोधपुर हरिद्वार लखनऊ गोरखपुर आदि शहरों में भी 1 नवंबर के पक्ष में अभी मत बताए गए हैं साथ ही यह भी बताया गया कि देश के 90% से अधिक पंचांगों में 1 नवंबर को दीपावली मान्य की गई है।

ब्राह्मण समाज 1 नवंबर को मनाएगा दीपावली

बैठक में सर्व ब्राह्मण समाज इंदौर के सचिव विकास अवस्थी ने बताया कि सर्व ब्राह्मण समाज भी हमारे आचार्यों के निर्णय के साथ है और 1 नवंबर को ही संपूर्ण समाज से दीपावली मनाने की अपील करता है।

किस दिन क्या मनेगा

बैठक में सभी की सहमति से निर्णय लिया गया कि 29 अक्टूबर 2024 को धनतेरस 30 को धनवंतरी पूजा और यम दीपदान रहेगा। 31 को नरक चतुर्दशी और 1 नवंबर को दीपावली रहेगी। 2 नवंबर को प्रतिपदा पर गोवर्धन पूजा और अन्नकूट का आयोजन रहेगा। 03 को यम द्वितीया और भाई दूज रहेगी।

फ्लाइट से भेजा गया 1500 किलो माल

मालवा के मटर और करेले दुबई में बढ़ाएंगे स्वाद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। अब मालवा के मटर और करेले दुबई के लोगों का जायका बढ़ाएंगे। इंदौर-शारजाह फ्लाइट से पहली बार मालवा की माटी में उगे करेले और मटर दुबई भेजे गए हैं। इंदौर के एक स्टार्टअप ने गुरुवार रात शारजाह जाने वाली उड़ान से 1500 किलो माल (मटर और करेला) भेजा है। मटर और करेला दुबई के सेंट्रल फ्रुट एंड वैजिटेबल मार्केट में बेचा जाएगा। बता दें की दुबई की सीधी उड़ान बंद होने से शारजाह की उड़ान से मटर और करेला यूएई भेजा गया है।

स्टार्टअप प्रबंधन का कहना है की उनके पास अगले कुछ माह के लिए एडवांस में ऑर्डर है। वहीं इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार आरना वेंचर्स (इंटरनेशनल ट्रेड एंड बिजनेस) स्टार्टअप की तरफ से इंदौर से शारजाह के लिए कार्गो बुक करवाया गया था। स्टार्टअप के फाउंडर डॉ. सौरभ काले ने बताया कि उनका उद्देश्य मध्य प्रदेश के किसानों को यूएई के अंतरराष्ट्रीय मार्केट से सीधे जोड़कर उनके लिए व्यापार के नए अवसरों का निर्माण करना है। यह मध्य प्रदेश सरकार के निर्यात विभाग के सहयोग से संभव हो पाया है। डॉ. काले ने बताया कि इंदौर से हर महीने शारजाह जाने वाली 4 उड़ानों में हमारा माल जाएगा। दुबई और अमीरात में पाकिस्तानी मटर आसानी से मिल जाती है। लेकिन अपने स्वाद के लिए भारतीय मटर की मांग वहां पर काफी अधिक है। चूंकि अभी इंदौर से सीधी इंटरनेशनल कार्गो उड़ान नहीं है। इसलिए यात्री उड़ान के साथ ही हमारे माल को भेजा गया है। आगे भारतीय बाजार से दुबई के लिए फलों और सब्जियों का निर्यात किया जाएगा।

स्थानीय भारतीय किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ना उद्देश्य

काले ने आगे बताया कि स्थानीय से वैश्विक (लोकल टू ग्लोबल) पहल के तहत स्थानीय भारतीय किसानों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से ऐसा किया गया है। पहले हम गुजरात से अपना माल दुबई भेजते थे। लेकिन अब हमने मध्य प्रदेश से ही यह काम करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि इंदौर एयरपोर्ट पर नया कार्गो टर्मिनल दो हिस्सों में बना है।1700 वर्गमीटर क्षेत्र में डोमेस्टिक कार्गो टर्मिनल और 300 वर्गमीटर क्षेत्र में पैरिशेबल कार्गो टर्मिनल बना है। पैरिशेबल कार्गो की वजह से जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं देश और विदेश में भेजना आसान हुआ है।

लिफ्ट का गेट खुला रहने की बात पर दो पक्षों में हुआ था विवाद

हत्या के प्रयास का आरोपी 12 घंटे में गिरफ्तार

इंदौर। पुलिस ने चाकूबाजी कर हत्या के प्रयास के आरोपी को 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया है। लिफ्ट का गेट खुला रहने की बात पर दो पक्षों में विवाद हुआ था। आरोपी ने फरियादी पर चाकू से हमला कर दिया था।

कनाड़िया थाना पुलिस के अनुसार 25 अक्टूबर को फरियादी प्रीतेश अग्निहोत्री निवासी युक्ती नारायणी बिल्डिंग श्रीजी बिचौली मदार्ना ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। फरियादी ने बताया था कि रात 11 बजे बिल्डिंग में लिफ्ट से अपना सामान लाने ले जाने की बात को लेकर बिल्डिंग में अपने मामा के यहां मेहमान आए देव उर्फ आर्यन गौरखेडे निवासी गौरी नगर ने विवाद किया। सामान लाने ले जाने के दौरान लिफ्ट का गेट खुला रह गया, जिससे लिफ्ट नीचे नहीं जा रही थी। इसे लेकर आरोपी ने गाली-गलौच की। जान से मारने की नीयत से चाकू से कई वार कर मौके से भाग गया। मामले में पुलिस ने धारा 109,294,351(2) धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में थाना प्रभारी कनाड़िया योगेन्द्र सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में टीम गठित की गई। घटना के 12 घंटे के अंदर आरोपी देव उर्फ आर्यन गौरखेडे उम्र 20 साल को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने चाकू भी जब्त किया है। मामले में पुलिस ने ज्ञानेश्वरी गोरखेड़े की शिकायत पर आरोपी प्रीतेश के खिलाफ भी केस दर्ज किया है।

क्राइम ब्रांच में पदस्थ हेड कांस्टेबल कोरोना में लोगों को करते थे जागरूक

घर में दिवाली की सफाई करते 'यमराज' की करंट से मौत

इंदौर। जिले में क्राइम ब्रांच में पदस्थ हेड कांस्टेबल की करंट लगने से शुक्रवार को मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दिवाली के मौके पर वे अपने घर की सफाई कर रहे थे। वे कोविड में यमराज बनकर लोगों को जागरूक करते थे। घटना पर पुलिस विभाग में मातम फैल गया है। दरअसल, हेड कॉन्स्टेबल जवाहर सिंह जादौन जूनी इंदौर स्थित पुलिस के सरकारी क्वार्टर में रहते थे। उनका परिवार शुक्रवार को बाहर गया था। वे घर में दिवाली की सफाई कर रहे थे, तभी करंट फैल गया। करंट लगने से उनकी मौत हो गई। पड़ोसियों ने उनके परिवार को इस बात की सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे और जादौन को अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जादौन क्राइम ब्रांच से पहले एमजी रोड थाने में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके चाचा सतेंद्र सिंह चौहान वर्तमान में एमजी रोड थाने में पदस्थ हैं। वहीं, उनका भतीजा विक्रम सिंह जादौन लसूड़िया थाने में पदस्थ है।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों में एमबीए एडमिशन की प्रक्रिया खत्म, अब नहीं होगा नया राउंड

70 से ज्यादा कॉलेजों में 60% सीटें भरीं, कुछ में आधी से ज्यादा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी से संबद्ध कॉलेजों में एमबीए एडमिशन की प्रक्रिया खत्म हो गई है। 23 अक्टूबर इसकी अंतिम तारीख थी। 70 से ज्यादा कॉलेजों में 60त्न सीटें भर गई हैं। कुछ कॉलेजों में आधी से ज्यादा खाली रह गईं। कुछ में 100त्न प्रवेश हो गए। अब नया राउंड नहीं होगा। देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के आईआईपीएस, आईएमएम के साथ ही जीएसीसी, एसजीएसआईटीएस और 2 निजी कॉलेजों में 93 से 100 प्रतिशत सीटों पर प्रवेश हो गए।

एमबीए के 20 से ज्यादा स्पेशलाइजेशन में भी इस बार अच्छी संख्या में प्रवेश हुए। इनमें एमबीए फाइनेंस, मार्केटिंग, ऑपरेशन मैनेजमेंट, एचआर और इंटरनेशनल बिजनेस सहित ज्यादातर स्पेशलाइजेशन में 90त्न तक सीटें भर गईं। इस बार कॉलेजों में डीटीई की काउंसलिंग 2 माह से ज्याद वक्त तक चली। सीमेट की रैंक और ग्रेजुएशन की मेरिट के आधार पर यह काउंसलिंग हुई। इस बार एमबीए में 12 हजार से ज्यादा सीटें थीं। एडमिशन 8 हजार के आसपास ही हुए।

कुल सीटों की तुलना में 3 साल से कम एडमिशन

शिक्षाविद् डॉ. जयंतीलाल भंडारी कहते हैं, एडमिशन का क्रेज बढ़ा है, लेकिन नए कॉलेज खुलने के साथ प्राइवेट यूनिवर्सिटी में भी एमबीए कोर्स में सीटों की संख्या बढ़ी है। इस कारण भी कॉलेजों में एडमिशन घटे हैं। हालांकि पिछले 3 साल में एमबीए में एडमिशन की संख्या 15त्न तक बढ़ी है। हालांकि कुल सीटों की तुलना में 3 साल से कम एडमिशन हो रहे हैं। तीन सालों में 20 नए कॉलेज और 6 हजार नई सीटें जुड़ी हैं।

नए कॉलेजों में 50त्न सीटें खाली

इन तीन सालों में जो नए कॉलेज शुरू हुए, उनमें 50त्न सीटें इस बार भी खाली रह गईं। जबकि सरकारी कॉलेजों में यह संख्या चौंकाने वाली रही। उनमें 95त्न तक सीटें भर गईं।

कांग्रेस का तंज- भाजपा में जाना चार दिन की चांदनी

सुरेश पचौरी को भाजपा स्टार प्रचारकों में जगह नहीं

सिटी चीफ भोपाल।

बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीटों के उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई वरिष्ठ नेताओं को प्रचार की जिम्मेदारी दी गई है।

विजयपुर के पूर्व विधायक और सहरिया विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सीताराम आदिवासी को सहरिया वोटर्स को साधने के उद्देश्य से स्टार प्रचारक बनाया गया है। वहीं, कांग्रेस से भाजपा में आए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी को इस सूची में जगह नहीं दी गई है, जिससे कांग्रेस ने इसे भाजपा में बाहर से आए नेताओं की उपेक्षा को लेकर तंज कसा है।

कांग्रेस के उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने सुरेश पचौरी का नाम भाजपा की सूची से बाहर होने पर तंज कसा है। कटारे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जो सुरेश पचौरी कांग्रेस में रहते हुए टिकट दिलाने की क्षमता रखते थे, वे भाजपा में जाकर लुप्त हो गए हैं। भाजपा में उनका नाम तक स्टार प्रचारकों में शामिल नहीं किया गया, जबकि उनके जूनियर नेताओं का नाम है। भाजपा में जाना चार दिन की चांदनी, फिर अंधेरी रात जैसा है। भाजपा ने विजयपुर सीट के उपचुनाव में सहरिया समुदाय का समर्थन पाने के लिए सीताराम आदिवासी को स्टार प्रचारक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी है। साथ ही बुधनी सीट से टिकट की दावेदार रहीं निर्मला भूरिया को भी स्टार प्रचारकों में शामिल किया गया है।

ये है भाजपा के स्टार प्रचारक

भाजपा की स्टार प्रचारकों की सूची में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार खटीक, सत्यनारायण जटिया, महेंद्र सिंह, सतीश उपाध्याय, जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ला, अजय जामवाल, प्रहलाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय, राकेश सिंह, विजय शाह, फग्गन सिंह कुलस्ते, नरोत्तम मिश्रा, जयभान सिंह पवैया, गोपाल भार्गव, हितानंद, करण सिंह वर्मा, एंदल सिंह कंसाना, प्रद्युमन सिंह तोमर, राकेश शुक्ला, नारायण सिंह कुशवाह, निर्मला भूरिया, लाल सिंह आर्य, समेत प्रमुख नेता शामिल हैं। इस सूची में राज्य और केंद्र सरकार के कई मंत्री, पूर्व मंत्री, सांसद और भाजपा संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं।

मंत्री रावत के सामने कांग्रेस ने आदिवासी नेता मल्होत्रा को टिकट देकर पेश की चुनौती

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में 13 नवंबर को श्योपुर जिले की विजयपुर और सीहोर जिले की बुधनी विधानसभा सीटों के उपचुनावों में मतदान होने वाला है। भाजपा-कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों का चयन करते समय जातीय समीकरणों पर विशेष ध्यान दिया है। भाजपा ने कांग्रेस से पार्टी आए छह बार के विधायक रामनिवास रावत को मैदान में उतारा है। वहीं, कांग्रेस ने इस सीट पर आदिवासी नेता मुकेश मल्होत्रा को टिकट दिया है। इस सीट पर आदिवासी वोटर निर्णायक हो सकते हैं। कांग्रेस ने इसी वजह से एक आदिवासी नेता पर भरोसा जताया है। विजयपुर विधानसभा सीट के लिए दोनों ही प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल कर दिया है। लोकसभा चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए रामनिवास रावत अब प्रदेश सरकार में वन मंत्री हैं। उनके भाजपा में आने का फायदा पार्टी को लोकसभा चुनावों में मिला भी था। ऐसे में अब कांग्रेस ने आदिवासी नेता के तौर पर मल्होत्रा को टिकट देकर भाजपा के सामने एक चुनौती पेश की है। भाजपा इस सीट को अपने पास रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

यही वजह है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुद ही चुनाव प्रचार की बागड़ोर अपने हाथ में ली। वह खुद विजयपुर गए और रावत का नामांकन भरवाया।

विजयपुर विधानसभा में 2 लाख 55 हजार मतदाता हैं। इनमें से करीब 65 हजार यानी 20त्न से अधिक मतदाता आदिवासी समुदाय से आते हैं। जाटव मतदाता भी 40 हजार के करीब हैं। कुशवाह और धाकड़ समाज से 25-25 हजार वोटर हैं। इन चार समाजों के करीब डेढ़ लाख मतदाता ही किसी भी उम्मीदवार की जीत-हार तय करते हैं। विजयपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव का परिणाम प्रमुख रूप से आदिवासी, जाटव, कुशवाह और धाकड़ समाज के वोटरों पर ही तय होगा।

कांग्रेस का गढ़ रहा है विजयपुर

श्योपुर की विजयपुर सीट कांग्रेस का गढ़ रही है। 1990 से 2023 तक कांग्रेस के टिकट पर रामनिवास रावत ने यहां चुनाव लड़ा और छह बार जीत का परचम फहराया। 2003 से शुरू हुई भाजपा की लहर के बाद भी वे अपना गढ़ कायम रख सके। पिछले साल हुए चुनावों में भी उन्होंने आसान जीत दर्ज की थी। इसके अलावा जिले की श्योपुर सीट पर भी कांग्रेस के बाबू जंडेल ने 11 हजार वोट से जीत हासिल की थी। रावत के दलबदल करने से भाजपा का पलड़ा भारी जरूर हुआ है और उपचुनाव उनके इस पार्टी बदलने के फैसले पर जनमत संग्रह जैसा ही परिणाम देगा।

कांग्रेस नेताओं ने झोंकी ताकत

कांग्रेस ने भी विजयपुर सीट पर कब्जा कायम रखने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। कांग्रेस नेता नीटू सिरकवार समेत कई नेता लगातार डटे हुए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में निर्दलीय चुनाव लड़े मुकेश मल्होत्रा को आदिवासी समाज का साथ मिलने का दावा किया जा रहा है। मल्होत्रा ने निर्दलीय रहते हुए भी 44 हजार वोट हासिल किए थे। बसपा ने 34 हजार वोट लिए थे और उपचुनाव में पार्टी का उम्मीदवार नहीं है। आदिवासी और अनुसूचित जाति वोटरों का पलड़ा जिधर जाएगा, उसकी जीत तय बताई जा रही है।

वन ग्राम को राजस्व ग्राम बनाने का ऐलान

विजयपुर में रामनिवास रावत के नामांकन भरने के दिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बड़ा दांव खेला है। उन्होंने महिला वोटरों के साथ ही आदिवासी वोटरों को साधने के लिए बड़ी घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा था कि उपचुनाव के बाद लाडली बहना योजना में रह गई महिलाओं को जोड़ा जाएगा। साथ ही पेसा मोबिलाइजर का वेतन दोगुना करने और वन ग्राम को राजस्व ग्राम बनाने की घोषणा भी की गई है।

भारत सरकार से दो नेशनल अवार्ड पाने वाली सारिका मप्र की एकमात्र शिक्षक, खगोल विज्ञान को बनाया है लोकप्रिय

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने सारिका घारू को किया सम्मानित

शिक्षकों का सम्मान विद्यार्थियों का भविष्य निर्माण थीम पर मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल मंगुभाई पटेल और अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में विज्ञान को विद्यार्थियों के साथ जन-जन तक पहुंचा रहीं सारिका घारू को सम्मानित किया।

इस समारोह में वे राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित होने के लिये मध्यप्रदेश की ओर से सम्मानित की गई। इस समारोह में प्रदेश के राज्यस्तरीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के साथ प्रशासन अकादमी के महानिदेशक जेएन कांसोटिया, स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. संजय गोयल, आयुक्त शिल्पा गुप्ता, आदिवासी विकास विभाग प्रमुख सचिव एवं आयुक्त डॉ. ई रमेश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी थे। कार्यक्रम का आयोजन आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी भोपाल में किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सांडिया जिला नर्मदापुरम में शिक्षक सारिका विज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास को बढ़ावा दे रही हैं। विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने साथ स्कूल से बाहर दूरदराज के क्षेत्र में खगोल वैज्ञानिक जागरूकता के काम करने के आधार पर प्रदेश में खगोलविज्ञान प्रसारक के रूप में विशिष्ट पहचान बनाई है।

विवाह पूर्व सिकलसेल कुंडली मिलान को लेकर किया जागरूक सारिका ने महामहिम राज्यपाल की पहल पर आरंभ किये गये सिकल सेल जागरूकता कार्यक्रम को अवकाश के समय मध्यप्रदेश के 15 से अधिक आदिवासी बहुल जिलों में करके विवाह पूर्व सिकलसेल कुंडली मिलाने को लेकर जागरूक किया है। सारिका के मार्गदर्शन में 4 बच्चों को विज्ञान नवाचार के क्षेत्र में नेशनल अवार्ड मिल चुका है। कोविड के समय मध्यप्रदेश के 20 से अधिक जिलों में वैक्सीन के प्रति वैज्ञानिक सोच विकसित करने प्रत्यक्ष जाकर कार्यक्रम किये।

2 लाख खर्च करके तैयार की प्रयोगशाला

गीतों एवं संगीत का उपयोग करके वे विज्ञान के कठिन टॉपिक को बच्चों के बीच रोचक बना रही हैं। इसके लिये 40 से अधिक टॉपिक पर वीडियो एलबम भी तैयार किये हैं। सारिका ने स्वयं की ओर से अपने विद्यालय में दो लाख रुपए से अधिक व्यय करके सुसज्जित प्रयोगशाला तैयार की है जो कि किसी साइंस सेंटर की तरह है। सारिका निर्वाचन जागरूकता के लिये ब्रांड एम्बेसेडर के रूप में भी कार्य करती आ रही हैं। सारिका को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय का विज्ञान संचार का नेशनल अवार्ड 2017 मिला है जो अब तक प्रदेश के किसी अन्य शिक्षक को प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अलावा मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग का राज्य स्तरीय सम्मान 2022, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद का नवाचारी शिक्षक सम्मान तथा भारत सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग का राष्ट्रपति सम्मान 2023 प्राप्त हो चुका है।

हनुवंतिया के बाद गांधी सागर में बीट टूरिज्म चंबल किनारे मिलेगा गोवा वाला मजा

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित गांधी सागर डैम के पास एक खूबसूरत जगह है जिसे लोग ह्यमिनी गोवाह्ण कहते हैं। यह जगह, जिसे गांधी सागर रिट्रीट कहा जाता है, एशिया के सबसे बड़े डैम में से एक के किनारे बनी है और पर्यटकों को शानदार नजारे, रोमांचक गतिविधियां और आरामदायक ठहरने का अनुभव प्रदान करती है। भोपाल से लगभग 350 किलोमीटर दूर, चंबल नदी पर बना यह विशाल बांध 1960 में बनाया गया था। इसके आसपास की खूबसूरत वादियां इतनी मनोरम हैं कि यहां से जाने का मन ही नहीं करता। इन्हीं वादियों के बीच, बांध के बैकवाटर में गांधी सागर फॉरेस्ट रिट्रीट बनाया गया है। यह रिट्रीट लगभग 50 आलीशान टेंट से सुसज्जित है जो पर्यटकों को आरामदायक प्रवास का अनुभव प्रदान करते हैं। मध्य प्रदेश सरकार इस जगह को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर रही है और यहां लग्जरी होटल जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए, पर्यटन विभाग हर साल यहां एक भव्य उत्सव का आयोजन करता है।

चीतों के लिए नया घर बनाने की तैयारी

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश सरकार राज्य में ऐसे कई खूबसूरत पर्यटन स्थलों को विकसित कर रही है, जैसे कि खंडवा जिले में हनुवंतिया। गांधी सागर डैम के पास ही, चीतों के लिए एक नया घर बनाने की तैयारी चल रही है। बांध की सीमा पर बाड़ लगा दी गई है और चीतों के रहने के लिए बाड़े तैयार किए जा रहे हैं। इसके साथ ही गांधी सागर डैम की सीमा समाप्त होते ही चीतों को बसाने की तैयारी चल रही है।

बांध के बॉर्डर खत्म होते ही फेंसिंग कर दी गई है। यहां चीतों को बसाने की तैयारी है। उनके बाड़े गांधी सागर अभ्यारण में तैयार हो गए हैं। साथ ही यहां से तेंदुए भी निकाल दिए गए हैं। गांधी सागर रिट्रीट अपनी प्राकृतिक सुंदरता, रोमांचक गतिविधियों और आरामदायक प्रवास के साथ, उन सभी पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य है जो शहर की भागमभाग से दूर सुकून के कुछ पल बिताना चाहते हैं।

मध्य प्रदेश में सिकल सेल मरीजों के उपचार का रेफरल सेंटर बना भोपाल स्मारक अस्पताल

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी के करोंद इलाके में स्थित भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में अब सिकल सेल बीमारी की जांच से लेकर पूरा उपचार हो सकेगा। इसके लिए केंद्र सरकार ने बीएमएचआरसी को सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र का दर्जा दिया है। इस तरह का यह मध्य प्रदेश का पहला संस्थान है। केंद्र सरकार ने 27 जून 2023 को मध्यप्रदेश के शहडोल जिले में राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरूआत की थी। इस मिशन के तहत केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय ने बीएमएचआरसी में सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र बनाने का फैसला किया। सिकल सेल के मरीजों के लिए यह सक्षमता केंद्र निःशुल्क होगा। केंद्र में सिकल सेल की स्क्रीनिंग का काम शुरू हो गया है। इसके लिए अस्पताल में सभी आवश्यक मशीनें आ गई हैं। जल्द ही सिकल सेल के मरीजों के लिए अलग ओपीडी होगी, जहां ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग के डाक्टर मरीजों को परामर्श देंगे। मरीजों एवं उनके स्वजनों के लिए क्लीनिकल हेमेटोलाजिस्ट व बाल्य रोग विशेषज्ञ उपस्थित होंगे। मरीजों की काउंसलिंग की जाएगी। दर्द से जूझ रहे सिकल सेल के मरीजों का पेन क्लिनिक में उपचार होगा। हाथ-पैरों में जकड़न की समस्या से ग्रस्त मरीजों को फिजियोथैरेपी की सुविधा मिलेगी। जरूरत पड़ने पर मरीजों को अस्पताल में भर्ती भी किया जाएगा। सिकल सेल बीमारी के लिए यह प्रदेश के 12 जिलों के लिए रेफरल सेंटर की तरह काम करेगा। इन जिलों में स्थित स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल मरीजों को जांच व उपचार के लिए यहीं भेजेंगे। इसके लिए अलग छह बिस्तरों का सिकल सेल वार्ड तैयार किया गया है। मरीजों को निशुल्क दवा भी उपलब्ध कराई जाएगी। सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र में जल्द ही एक टेलिमेडिसिन सेंटर भी शुरू किया जाएगा। इसके तहत एक फोन नंबर जारी किया जाएगा। सिकल सेल से प्रभावित कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर फोन करके बीमारी के बारे में सलाह ले सकता है।

17 राज्यों के प्रतिनिधियों ने किया दौरा

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन का प्रशिक्षण लेने भोपाल आए 17 राज्यों के नोडल अधिकारियों ने बुधवार को बीएमएचआरसी के सिकल सेल एनीमिया सक्षमता केंद्र का दौरा किया। यहां उन्होंने बारीकियों को जाना। प्रतिनिधिमंडल ने मालिक्यूलर लैब एवं आनुवांशिक लैब, सिकल सेल वार्ड, फिजियोथैरेपी विभाग व अन्य स्थानों का दौरा भी किया।

इनका कहना है

यह हमारे लिए गर्व की बात है कि केंद्र सरकार ने बीएमएचआरसी को सिकल सेल जैसी बीमारी के लिए सक्षमता केंद्र बनाया है। यहां मरीजों के लिए निश्शुल्क उपचार सुविधाएं दी जाएंगी। - डॉ. मनीषा श्रीवास्तव, सक्षमता केंद्र की प्रभारी व बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक

हादसे के 24 दिन बाद भी पुलिस खाली हाथ सीसीटीवी फुटेज के भरोसे

युवती को कुचल गया वाहन, पुलिस लाचार

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल के मिसरोद थाना क्षेत्र से करीब एक किलोमीटर दूर हुए एक सड़क हादसे होनहार युवती की मौत हो गई। इस घटना को हुए करीब 24 दिन बीच चुके हैं, लेकिन मिसरोद थाना पुलिस युवती की जान लेने वाले वाहन और उसके चालक का पता नहीं लगा सकी है। हादसे के समय का एक सीसीटीवी फुटेज परिजनों ने पुलिस को दिया है, लेकिन उसमें एक्सीडेंट करने वाला वाहन नहीं दिख रहा है। कुछ स्थानीय लोगों ने एक कार द्वारा युवती को टक्कर मारने की जानकारी पुलिस को दी है, इसके बाद भी पुलिस हाथ पर हाथ रखे बैठी हुई है। पुलिस का कहना है कि जहां घटना हुई है, वहां सीसीटीवी नहीं लगे हैं, ऐसे में हम आरोपी और वाहन को कैसे पकड़े। पुलिस का कहना है कि जब आरोपी मिलेगा, परिजनों को बता दिया जाएगा। इधर, घर की होनहार बेटी के असमय मौत से परिजन बदहवाश हैं, लेकिन पुलिस उनके दुख-दर्द को बांटने की बजाय उसे और बढ़ाने का काम कर रही है। न्याय के लिए परिजनों ने सीएम हेल्प लाइन पर शिकायत की तो पुलिस की ओर से उन पर शिकायत वापस देने का दबाव भी बनाया गया। जानकारी के अनुसार 29 वर्षीय युवती पूजा पिता विष्णु प्रसाद मैथिल मंडीदीप की रहने वाली थी। वह मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित कोरल वुड कॉलोनी में बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का काम करती थी। एक अक्टूबर को पूजा शाम करीब 6ः30 बजे घर जाने के लिए कोरल वुड कॉलोनी से निकलीं और सड़क पार कर रही थीं।

सम्पादकीय

ब्रिक्स की सामूहिक ताकत

संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार को भी मुख्य मुद्दा मान कर कजान घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स शुरूआत में आर्थिक और कारोबारी समन्वय के मुद्दों तक ही विमर्श करता था, लेकिन कजान सम्मेलन के दौरान इजरायल के हमलावर व्यवहार की निंदा और गाजा-पट्टी में उसके किए गए हमलों की भर्त्सना की गई है। इजरायल से तत्काल और स्थायी संघर्ष-विराम करने की मांग भी की गई है, लेकिन अक्तूबर, 2023 में हमास ने इजरायल पर जिस तरह का कातिलाना हमला किया था, घोषणापत्र में उसका कोई उल्लेख नहीं है। माना जाता है कि भारत ने जून, 2024 में विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को रखा था, लेकिन ब्रिक्स देशों के मंत्रियों में सहमति नहीं बन पाई, लिहाजा हमास का हमला घोषणापत्र से बाहर ही रहा।

ब्रिक्स का 16वां शिखर सम्मेलन कई मायनों में सफल रहा। समूह के नेतृत्व और उनके मकसद भी सार्थक रहे। अब ब्रिक्स 10 सदस्य देशों का समूह हो गया है, क्योंकि ईरान, मिस्र, इथियोपिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब को नई सदस्यता दी गई है। करीब 30-35 अन्य देश भी ब्रिक्स से जुड़ना चाहते हैं, जिनमें पाकिस्तान भी उतावला है, लेकिन भारत ने उसकी संभावनाओं को खारिज करवा दिया है। यदि जी-7 पश्चिमी देशों का समूह है, तो ब्रिक्स ग्लोबल साउथ का प्रतिनिधित्व करता है। पश्चिम और यूरोप की वर्चस्ववादी सत्ता के समानांतर अब ब्रिक्स की ताकतवर उपस्थिति भी है, लेकिन वह पश्चिम-विरोधी नहीं है। ब्रिक्स नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि ब्रिक्स गैर-पश्चिम समूह है, जिसमें करीब 450 अरब डॉलर की कुल अर्थव्यवस्था वाले देश हैं। दुनिया की करीब 45 फीसदी आबादी ब्रिक्स के दायरे में है, लिहाजा अब इसकी सामूहिक ताकत को समझा जा सकता है। जी-7 और ब्रिक्स के कुछ सदस्य जी-20 में भी शामिल हैं, लिहाजा ये समूह परस्पर सहयोगी हो सकते हैं, दुश्मन नहीं हो सकते। रूस में सम्पन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का बुनियादी थीम था-वैश्विक विकास और सुरक्षा के लिए बहुपक्षीयवाद को मजबूत करना। प्रधानमंत्री मोदी ने भी यह मुद्दा बार-बार उठाया और ब्रिक्स के विस्तार का भी आग्रह किया। रूस के ही एक गणराज्य की राजधानी कजान में ब्रिक्स का सम्मेलन कामयाब रहा, यह अपने आप में महत्वपूर्ण निष्कर्ष है। रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में संलिप्त है, फिर भी वहां कोई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करना वाकई आश्चर्यजनक है। बहरहाल कजान सम्मेलन के बाद जो साझा घोषणापत्र जारी किया गया, उसमें कुछ मुद्दे पश्चिमी देशों की दादागीरी के खिलाफ हैं और उनके चरित्र को भी चुनौती देते हैं। मसलन, अमरीका ने अकेले रूस पर करीब 20,000 प्रतिबंध थोप रखे हैं। ईरान पर भी पाबंदियां हैं। ब्रिक्स ने ऐसी आर्थिक, व्यापारिक और जबरन पाबंदियों को नकारा है। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद पर, कुछ बड़े देशों के, दोहरे रवैये की भर्त्सना की है। उन्होंने किसी का भी नाम नहीं लिया, लेकिन दुनिया उन्हें जानती है। ब्रिक्स घोषणापत्र में आतंकवाद को भी शामिल किया गया है और साझी लड़ाई का आह्वान भी किया गया है, लेकिन आतंकवाद पर ही ब्रिक्स के कुछ देशों में, द्विपक्षीय स्तर पर, विरोधाभास भी हैं। सामूहिक स्तर पर उन्हें बेमानी माना गया है। संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार को भी मुख्य मुद्दा मान कर कजान घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है। ब्रिक्स शुरूआत में आर्थिक और कारोबारी समन्वय के मुद्दों तक ही विमर्श करता था, लेकिन कजान सम्मेलन के दौरान इजरायल के हमलावर व्यवहार की निंदा और गाजा-पट्टी में उसके किए गए हमलों की भर्त्सना की गई है। इजरायल से तत्काल और स्थायी संघर्ष-विराम करने की मांग भी की गई है, लेकिन अक्तूबर, 2023 में हमास ने इजरायल पर जिस तरह का कातिलाना हमला किया था, घोषणापत्र में उसका कोई उल्लेख नहीं है। माना जाता है कि भारत ने जून, 2024 में विदेश मंत्रियों की बैठक में इस मुद्दे को रखा था, लेकिन ब्रिक्स देशों के मंत्रियों में सहमति नहीं बन पाई, लिहाजा हमास का हमला घोषणापत्र से बाहर ही रहा। हम हमास के उस हमले को बड़ा आतंकवाद मानते हैं। उसी के कारण आज भी गाजा और लेबनान में युद्ध के हालात बने हैं। तबाहियां और बर्बादियां हो रही हैं, लेकिन विश्व का कोई भी संगठन और समूह युद्ध-विराम कराने में अभी तक सफल नहीं हुआ है। बहरहाल जो ब्रिक्स आर्थिक विषयों तक सीमित रहता था, वह अब भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण, विज्ञान-प्रौद्योगिकी सरीखे विषयों पर भी विमर्श करता है और अपने सरोकार व्यक्त करता है।

लोक कलाओं में सांस्कृतिक धरोहर का उजास दीपावली

दीपावली पर लोककला का प्रदर्शन न केवल धार्मिक आस्था को व्यक्त करता है, बल्कि यह विभिन्न सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का भी एक माध्यम है। प्रत्येक राज्य की लोककला उसके इतिहास, परंपरा, और सामाजिक जीवन को दर्शाती है। यह कला न केवल पीढ़ी दर पीढ़ी संचालित होती है, बल्कि यह समाज में एकजुटता और सांस्कृतिक विविधता को भी बढ़ावा देती है। लोककला में न केवल सौंदर्य और कला का तत्व होता है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का भी एक अभिन्न हिस्सा है।

दीपावली, जिसे दीपों का त्योहार कहा जाता है, भारत का एक प्रमुख और अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व न केवल आध्यात्मिकता और धार्मिकता का प्रतीक है, बल्कि भारतीय लोककला और सांस्कृतिक धरोहर का भी अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है। दीपावली के अवसर पर विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों में विविध लोककलाएं, जैसे रंगोली, दीप सजावट और पारंपरिक हस्तशिल्प देखने को मिलते हैं।

रंगोली, भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो दीपावली पर विशेष रूप से बनाई जाती है। यह एक पारंपरिक कला है जिसमें विभिन्न रंगों के चावल, फूलों की पंखुड़ियों और रंगीन पाउडर का उपयोग करके सुंदर डिजाइन बनाए जाते हैं। रंगोली न केवल घर की सुंदरता को बढ़ाती है, बल्कि यह लक्ष्मी माता का स्वागत करने का एक तरीका भी है। रंगोली बनाने की कला प्राचीन काल से चली आ रही है। इसे सामान्यतः महिलाएं घर के दरवाजे और आंगन में बनाती हैं, ताकि यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करे और सकारात्मकता को आकर्षित करे। भारत के विभिन्न राज्यों में रंगोली के निर्माण के तरीके भिन्न होते हैं, जो उस क्षेत्र की संस्कृति और परंपरा को दर्शाते हैं।

राजस्थान में रंगोली को आलपन कहा जाता है। यहां की महिलाएं रंग-बिरंगी चूड़ियों और कपड़ों का उपयोग करके विशेष डिजाइन बनाती हैं। राजस्थान की रंगोली में पारंपरिक ज्यामितीय आकृतियों के साथ-साथ स्थानीय देवी-देवताओं के चित्र भी बनाए जाते हैं। यह कला वहां की सांस्कृतिक धरोहर को संजोए हुए है। महाराष्ट्र में रंगोली में ज्यामितीय आकृतियां और देवी-देवताओं के चित्र बनाए जाते हैं। इस क्षेत्र की रंगोली के डिजाइन आमतौर पर अधिक बारीक और विस्तृत होते हैं। दीपावली पर, यहां की महिलाएं अलपना नामक रंगोली बनाती हैं, जिसमें मिट्टी के रंगों का उपयोग किया जाता है। तमिलनाडु में, यह कला कोलम के नाम से जानी जाती है, जिसमें चावल के आटे से सफेद डिजाइन बनाकर उस पर रंगीन पाउडर डाला जाता है। यहां की महिलाएं सुबह-सुबह कोलम बनाती हैं, जिससे दिन की सकारात्मकता बढ़े और घर में सुख-समृद्धि आए। कोलम के डिजाइन में अक्सर फूलों और पत्तियों के आकार होते हैं, जो इसे और भी सुंदर बनाते हैं।

दीपावली के दौरान घरों की सजावट में दीपों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यह दीपक और मोमबत्तियां न केवल घर को रोशन करती हैं, बल्कि सुख-समृद्धि का भी प्रतीक हैं। विभिन्न क्षेत्रों में दीप सजाने के तरीके भिन्न होते हैं, जो प्रत्येक राज्य की विशेषता को दर्शाते हैं।

उत्तर भारत में, घरों को मिट्टी के दीपों से सजाया जाता है, जिन्हें दीपक कहते हैं। ये दीपक तेल या घी से जलाए जाते हैं और इन्हें आमतौर पर घर के दरवाजे और आंगन में रखा जाता है। उत्तर भारत में, घरों के अलावा सार्वजनिक स्थानों पर भी दीप जलाए जाते हैं, जिससे पूरे वातावरण में उजाला फैल जाता है। दक्षिण भारत में दीयों को रंग-बिरंगी मोमबत्तियों और बिजली की रोशनी से सजाया जाता है। यहां के लोग दीयों को एकत्रित कर के विशेष रूप से दीपम नामक पूजा करते हैं, जिसमें दीप जलाकर पूजा की जाती है। इसके अलावा, गुजरात में दीपावली के दौरान घरों में विशेष सजावट की जाती है। यहां लोग कैंडल्स और रंगीन रोशनी का प्रयोग करके अपने घरों को एक अद्भुत वातावरण प्रदान करते हैं।

पंजाब में, दीयों के साथ-साथ बत्तियों का भी उपयोग किया जाता है। यह दीपावली का विशेष आकर्षण होता है, जो विशेष रूप से सिखों के लिए महत्वपूर्ण है। यहां लोग भाई दूज के अवसर पर अपने भाई-बहनों के लिए विशेष दीयों की सजावट करते हैं, जो भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाता है। दीपावली के अवसर पर भारत के विभिन्न राज्यों में पारंपरिक हस्तशिल्प का भी बड़ा महत्व है। ये हस्तशिल्प केवल सुंदरता का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि ये प्रत्येक क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को भी दर्शाते हैं।

उड़ीसा में, पेंटिंग्स और काष्ठशिल्प की विशेषता होती है। यहां की पट्टचित्र कला दीपावली पर विशेष रूप से लोकप्रिय होती है, जिसमें देवी-देवताओं के चित्र बनाए जाते हैं। पट्टचित्र को बनाने में कागज या कपड़े का उपयोग किया जाता है और इसमें जीवंत रंगों का प्रयोग होता है।

कर्नाटक में, मिट्टी के बर्तन और दीपक बनाने की कला प्रचलित है। यहां के कुम्हार दीपावली के लिए विशेष प्रकार के मिट्टी के दीपक बनाते हैं, जिन्हें घर में रखा जाता है। इन दीपों को सजाने के लिए स्थानीय रंगों का उपयोग किया जाता है, जो उन्हें और भी आकर्षक बनाते हैं।

पंजाब में, फुलकारी कढ़ाई का प्रयोग दीपावली पर सजावट के लिए किया जाता है। महिलाएं रंगीन धागों से बनाई गई चादरों और कपड़ों का उपयोग करके अपने घरों को सजाती हैं। फूलकारी की कढ़ाई में फूलों और अन्य प्राकृतिक आकृतियों का चित्रण होता है, जो इसे अद्वितीय बनाता है।

दीपावली पर लोककला का प्रदर्शन न केवल धार्मिक आस्था को व्यक्त करता है, बल्कि यह विभिन्न सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का भी एक माध्यम है।

प्रत्येक राज्य की लोककला उसके इतिहास, परंपरा, और सामाजिक जीवन को दर्शाती है। यह कला न केवल पीढ़ी दर पीढ़ी संचालित होती है, बल्कि यह समाज में एकजुटता और सांस्कृतिक विविधता को भी बढ़ावा देती है। लोककला में न केवल सौंदर्य और कला का तत्व होता है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान का भी एक अभिन्न हिस्सा है। इसके माध्यम से, लोग अपनी पहचान, विचार और भावनाओं को व्यक्त करते हैं। यह कला न केवल उत्सवों में बल्कि दैनिक जीवन में भी महत्वपूर्ण होती है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं है। यह एक सांस्कृतिक उत्सव है जिसमें भारतीय लोककला का अद्भुत संग्रह है। विभिन्न राज्यों में रंगोली, दीप सजावट और पारंपरिक हस्तशिल्प के माध्यम से हम न केवल इस त्योहार को मनाते हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धरोहर को भी संजोते हैं। दीपावली हमें याद दिलाती है कि कला और संस्कृति का संरक्षण कितना महत्वपूर्ण है, और यह हमारे समाज के समृद्ध इतिहास और विविधता को दर्शाती है।

दीपावली का पर्व हमें न केवल आनंद और उत्साह देता है, बल्कि यह हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है और हमारी सांस्कृतिक धरोहर का सम्मान करने का अवसर प्रदान करता है। हम सभी को चाहिए कि हम इस पर्व के माध्यम से अपनी लोककला और संस्कृति को संजोएं, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस अद्भुत धरोहर को जान सकें और आगे बढ़ा सकें। दीपावली का यह त्योहार न केवल दीपों का उत्सव है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और कलात्मकता का भी महापर्व है। हमें इस पर्व को मनाने का हर संभव प्रयास करना चाहिए, ताकि हमारी सांस्कृतिक धरोहर हमेशा जीवित रहे।

नायडू का बयान और भाजपा की चुप्पी

इसमें प्रमुख सवाल यही है कि क्या दोनों मुख्यमंत्री दो से ज्यादा पैदा होने वाले बच्चों के पालन-पोषण का भार वहन करेंगे। क्या ऐसा करने वाले दंपत्ति को सरकार अतिरिक्त सुविधाएं मुहैया कराएगी। जब तक सरकार ऐसी जिम्मेदारी उठाने को तैयार नहीं होगी, तब तक तमाम बोझ कौन उठाएगा। आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो से अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहें तो केंद्र की मोदी सरकार नायडू की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडू के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडू के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिएं। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडू द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढकर 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी। इन दलों के नेताओं को लगता है कि पिछले कुछ दशकों में परिवार नियोजन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दक्षिणी राज्यों को दंडित किया जा रहा है, क्योंकि जिन राज्यों में जनसंख्या का घनत्व अधिक है, उनका लोकसभा में प्रतिनिधित्व अधिक होगा। वर्ष 2026 में क्षेत्र पुनर्विभाजन हो सकता है, इस अनुमान और उस समय की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर कहा जा सकता है कि पुनर्विभाजन में जनसंख्या नियंत्रण के कदम उठाने वाले दक्षिणी राज्यों को भारी नुकसान होगा, जबकि जनसंख्या नियंत्रण नहीं करने वाले हिंदी भाषी राज्य बड़ा फायदा उठाएंगे। उदाहरण के लिए, वर्तमान लोकसभा में हिंदी भाषी राज्यों की हिस्सेदारी 42 प्रतिशत है, जो विस्तारित लोकसभा में 48 प्रतिशत हो जाएगी। दक्षिण भारत के राज्यों की हिस्सेदारी 24 प्रतिशत से घटकर 20 प्रतिशत हो जाएगी। बाकी राज्यों की हिस्सेदारी भी 34 प्रतिशत से घटकर 32 प्रतिशत हो जाएगी। आजादी के बाद जब 1951 में पहली जनगणना हुई, तब देश की आबादी 36 करोड़ के आसपास थी। 1971 तक आबादी बढकर 55 करोड़ पहुंच गई। लिहाजा, सरकार ने 70 के दशक में फैमिली प्लानिंग पर जोर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि दक्षिणी राज्यों ने तो इसे अपनाया और आबादी काबू में की। मगर, उत्तर के राज्यों में ऐसा नहीं हुआ और आबादी तेजी से बढ़ती गई। ऐसे में उस समय भी दक्षिणी राज्यों की ओर से सवाल उठाया गया कि उन्होंने तो फैमिली प्लानिंग लागू करके आबादी कंट्रोल की और उनके यहां ही सीटें कम हो जाएंगी। सीटें कम होने का मतलब संसद में प्रतिनिधित्व कम होना। इसलिए विवाद हुआ। अभी तमिलनाडु की अनुमानित आबादी 7.70 करोड़ है और वहां लोकसभा की 39 सीटें हैं। जबकि, मध्य प्रदेश की आबादी 8.76 करोड़ है और यहां 29 लोकसभा सीटें हैं। परिसीमन होता है तो अभी की आबादी के हिसाब से मध्य प्रदेश में 87 लोकसभा सीटें हो जाएंगी और तमिलनाडु में 77 सीटें होंगी। सीटों की यह संख्या हर 10 लाख आबादी पर एक सांसद वाले फॉमूर्ले के हिसाब से है। इसी तरह केरल की अनुमानित आबादी 3.59 करोड़ है। अभी यहां 20 लोकसभा सीटें हैं, वहीं उत्तर प्रदेश की आबादी 23.80 करोड़ है और यहां 80 सांसद हैं। अगर वही 10 लाख वाला फॉमूर्ला लागू किया जाए तो केरल में लोकसभा सीटों की संख्या बढकर 35 या 36 होगी।

जबकि, उत्तर प्रदेश में लोकसभा सीटों की संख्या 235 या उससे ज्यादा भी हो सकती है। इसी वजह से दक्षिणी राज्यों को आपत्ति है। उनका यही कहना है कि हमने आबादी नियंत्रित की, केंद्र की योजनाओं को लागू किया और उनके ही यहां लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को हर हाल में आंध्रप्रदेश में अपने वोट बैंक को मजबूत रखना है। मुख्यमंत्री नायडू को इससे फर्क नहीं पड़ता कि भाजपा उनके बारे में क्या सोचती है। नायडू से समर्थन लेने की गरज भाजपा की है, नायडू की नहीं। यही वजह है कि मुख्यमंत्री नायडू ने आंध्रप्रदेश में जब मुस्लिमों को मिला आरक्षण नहीं हटाए जाने की घोषणा की, तब भी भाजपा से बोलते नहीं बन पड़ा। भाजपा को पता है कि नायडू से पंगा लेने का मतलब केंद्र सरकार का गिरना तय है। नायडू की पार्टी के 16 सांसदों का समर्थन केंद्र की भाजपा सरकार को हासिल है। इसलिए नायडू को भाजपा और केंद्र सरकार की परवाह नहीं है। नायडू ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के दौरान ही राज्य में मुस्लिम समुदाय को चार प्रतिशत आरक्षण देने के अपने रुख को दोहराया दिया था। चंद्रबाबू नायडू ने कहा था कि हम शुरू से ही मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण का समर्थन कर रहे हैं और यह जारी रहेगा।

टीडीपी प्रमुख का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेलंगाना के जहीराबाद में एक चुनावी रैली के दौरान दिए गए उस बयान के कुछ दिनों बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह धर्म के आधार पर दलितों, आदिवासियों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का कोटा मुसलमानों को नहीं दिए जाने देंगे। गौरतलब है कि इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक की ओबीसी सूची में मुस्लिम समुदाय को शामिल किए जाने पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली सिद्धारमैया सरकार के फैसले की निंदा की थी। मध्य प्रदेश की रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस को ओबीसी समुदाय का सबसे बड़ा दुश्मन करार दिया और कहा, एक बार फिर कांग्रेस ने पिछले दरवाजे से ओबीसी के साथ सभी मुस्लिम जातियों को शामिल करके कर्नाटक में धार्मिक आधार पर आरक्षण दिया है। इस कदम से ओबीसी समुदाय को आरक्षण के एक महत्वपूर्ण हिस्से से वंचित कर दिया गया है। रिकॉर्ड बताते हैं कि कर्नाटक में यह आरक्षण पहली बार 1995 में एचडी देवेगौड़ा की जनता दल सरकार द्वारा लागू किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी की तरह ही देवेगौड़ा की जद (एस) अब भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सहयोगी है। भविष्य की राजनीति बचाने के लिए की जा रही नायडू और स्टालिन की कवायद से सवाल भी खड़े होते हैं।

कोठारी आयोग से पीएम श्री तक शिक्षा की परख

जब तक अध्यापक प्रशिक्षित नहीं, उसका नजरिया सकारात्मक नहीं, निष्ठा व नियत साफ नहीं, उसमें अध्यापन का जुनून नहीं, तब तक सफलता दूर हैङ्क्ष.

यदि एक बच्चे को एक बढ़िया किताब, एक बढ़िया कलम, एक बढ़िया विद्यालय और एक बेहतरीन शिक्षक मिल जाए, तो वह दुनिया को बदलने का माद्दा रखता है। ऐसा नहीं है कि हमारे देश और प्रदेश की सरकारों ने शिक्षा की बेहतरी के लिए नीति बनाने में कोई कसर छोड़ी है। यह अलग बात है कि कोरे-कोरे कागजों पर सुनहरे भविष्य की रौशनी दिखाते शिक्षा के बल्ब ग्राउंड जीरो पर मद्धम पड़ जाते हैं या फ्यूज हो जाते हैं। बगैर पूर्वाग्रह के कहा जाए तो किसी शिक्षा नीति में कोई खराबी नहीं रही, परंतु ग्राउंड जीरो पर कार्यान्वित करते हुए वो वर्क कल्चर विकसित नहीं हो पाया और शिक्षा लडखड़ाती रही, हिचकोले खाती रही। ऐसा क्यों हुआ? जवाब में सभी संबंधित हितधारकों के अपने-अपने दावे और दलीलें हैं, अपनी-अपनी शिकायतें और हिकायतें हैं। 1968 में कोठारी आयोग की रिपोर्ट पर आधारित देश की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति से चलते हुए हम शिक्षा नीति 2020 पर आ गए हैं। इस बीच कई कमेटियां बनीं, कई अभियान व परियोजनाएं चलाई गईं। 1986 में 10 जमा 2 शिक्षा पद्धति को लागू किया गया। फिर सर्व शिक्षा अभियान आया और शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू हुआ। पहली से आठवीं तक कोई फेल नहीं नीति लागू हुई।

इसके पीछे भली मंशा यह थी कि बच्चों के जहनों से परीक्षा का डर खत्म किया जाए, परंतु इस भली मंशा में यह सिद्ध बात नजरअंदाज हो गई कि डर केवल तनाव नहीं देता, बल्कि हमें जागरूक व चौकस भी रखता है। लिहाजा बच्चे परीक्षा के प्रति उदासीन हो गए और इसके महत्व को नहीं जान पाए। देखा-देखी कई योग्य बच्चों की परीक्षा में बेहतर करने की ललक भी गुल हो गई। सब पास के चलते कई माता-पिता भी अपने बच्चों की पढ़ाई से गाफिल हो गए। उधर बहुत से अध्यापक भी चिंतामुक्त हो गए क्योंकि हम उस व्यवस्था के मारे हैं, जहां बिना डर के पत्ता हिलाना मुश्किल जान पड़ता है। रहीम जी की यह बात चरितार्थ हो गई- चाह गई चिंता मिटी, मनुआ बेपरवाह। मस्ती की पाठशाला में सब मस्त हो गए। कहने वाले कहते रहे- ऑल इज वैल। परंतु जब बच्चे छठी व नवीं कक्षा में पहुंचने लगे और विभिन्न सर्वेक्षणों के नतीजे आने लगे, तो ढोल की पोल खुलने लगी। तब शिक्षा के कर्णधारों की तीसरी आंख खुलना लाजिमी थी। हालांकि गुरु को बेहतर गुरु बनने के गुर सिखाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की जाती रहीं परंतु उनमें शोर ज्यादा सुनाई दिया, व्यावहारिक जोर और गंभीरता कम दिखाई दी। खेल-खेल में पढ़ाई की अवधारणा कागजों में तो आकर्षक दिखी, परंतु असल में यह हुआ कि पढ़ाई पिछली सीट पर और खेल ड्राइवर सीट पर आ गया। जाने-अनजाने खेल-खेल में शिक्षा से खेला होता रहा। मॉनिटरिंग के लिए टीमें बनीं, पर हासिल क्या हुआ? गुरुजी पर नकेल कसने के लिए उनकी हाजिरी बाइऑमीट्रिक मशीन पर दर्ज की जाने लगी। यहां भी एक यह गड़बड़ हो गई कि बायोमीट्रिक मशीनें सेकेंडरी स्कूलों में तो लगीं, परंतु प्राइमरी और मिडल स्कूलों में नहीं लगीं जहां शिक्षा की नींव तैयार होती है। अब कहीं-कहीं, किसी-किसी स्कूल में लगी हों, तो अलग बात है। यह सब हमारी नाक के नीचे हुआ। जब कभी किसी कर्तव्यपरायण व जमीरजीवी चिंतक ने इस बाबत चिंता जाहिर की, तो उसे ये रटा-रटाया राग सुनाया जाता रहा- ऐसा ही चलता है। वाकई शिक्षा ऐसे ही चलती रही और वैसे नहीं चली, जैसे चलनी चाहिए थी। चलते-चलते शिक्षा नीति 2020 आ गई। इसके अनुसार 10 जमा 2 की जगह अब 5 प्लस 3 प्लस 3 प्लस 3 पद्धति को अपनाया जा रहा है। अभी यह आरंभिक दौर में ही है और इसी बीच जब तीसरी, छठी व नवीं के छात्रों के शिक्षा के स्तर की परख हुई तो पाया गया कि अपना प्रदेश पूरे देश में आधारभूत साक्षरता, भाषायी व गणितीय दक्षताओं में 21वें स्थान पर खिसक गया है। अब स्थिति सुधारने के लिए ऊहापोह चल रही है। चिंता का विषय है कि छठी कक्षा का बच्चा दूसरी-तीसरी कक्षा के विषय समझ व पढ़ नहीं पा रहा है और नवीं कक्षा का छात्र छठी कक्षा का ज्ञान नहीं रखता। आगामी राष्ट्रीय सर्वेक्षण परीक्षा परख दिसंबर माह में होगी। इसके लिए मॉक टैस्ट पर जोर दिया जा रहा है। अतिरिक्त कक्षाएं लगवाई जा रही हैं। अगर ऐसा ही जोर समय रहते देते, तो आज इसकी जरूरत न होती।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में स्थाई वारंट तामील

आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया

अनूपपुर, थाना करनपठार, चौकी सरई के द्वारा 01 स्थाई वारंट तामील कर आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया वरिष्ट अधिकारियों एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनुभाग पुष्पराजगढ के मार्ग दर्शन एवं निर्देशन में उप निरी. संजय खलखो थाना प्रभारी थाना करनपठार के नेतृत्व में चौकी प्रभारी सरई थाना करनपठार उप निरी. मंगला प्रसाद दुबे के दौरान कस्बा देहात भ्रमण हमराह प्रआर. 155 कृष्ण कुमार पटेल, प्रआर. 256 राजेश पाव, आर. 362 विनोद जाटव चौकी सरई, आर. 287 विनोद कुमार थाना करनपठार के द्वारा बडी मेहनत एवं लगन से माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राजेन्द्रग्राम का आर. सी. टी. 388/21 अप. क्र. 95/2021 धारा- 294, 323, 506 भा. द. वि. के स्थाई वारंटी आरोपी- जेसा नायक पिता प्रेमा नायक उम्र 32 वर्ष निवासी ग्राम सरई चौकी सरई थाना करनपठार जिला अनूपपुर (म. प्र.) का जो लगातार फरार चल रहा था जिसे आज दिनांक 26/10/2024 को हिरासत में लिया जाकर माननीय न्यायालय राजेन्द्रग्राम पेश किया गया है।

आठवीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र बेच रहा अवैध शराब

सीता शरण शराब व्यापारी कर रहा बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनुपपुर, अनुपपुर जिले में स्थित खाड़ा ग्राम पंचायत में कोयला खदान के पास अवैध शराब की बिक्री जोरो पर है और ये अवैध शराब एक तेरह वर्ष के बच्चे के द्वारा बिकवाई जा रही है जो अपने आपको कारीवाह ग्राम अनुपपुर एवं अपने पिता का नाम गणेश बता रहा है , खाडा ग्राम में नदी के समीप ही दो दुकानें लगी हुई है इन दोनों दुकानों में ही अवैध शराब बिक्री की जा रही है इन दुकान में शराब बेचने वालों से पूछने पर ये अवैध शराब अनुपपुर शराब व्यापारी सीतासरन जायसवाल की होना बताया इन्होंने ये भी बताया कि कोई आदित्य नाम का व्यक्ति ये शराब इन तक पहुंचाता है जो कि दारू भट्टी अनुपपुर से आता है , इन दोनों दुकानों में एक के संचालक ने फोन पर सीतासरण से बात कर लो वो आपको। देख लेंगे इस तरह की बात कहते हुए वीडियो कॉल पर पत्रकारों का चेहरा शराब व्यापारी

को दिखाते हुए कहा जब पत्रकारों द्वारा दूसरी दुकान को संचालित करते एक नाबालिक लड़के को देखा तो उससे पूछने पर मॉल अनुपपुर भट्टी से आदित्य द्वारा पहुंचाने की बात की और उस बालक से बात करने पर जानकारी लगी कि वह आठवीं कक्षा का छात्र है और उसकी उम्र महज तेरह साल की है , और जानकारी जुटाने पर पता चला कि ये दोनो दुकानें कई महीनों से संचालित है और यह बराबर शराब बिक्री हो रही है।

इनका कहना : कोई जानकारी देता है तो कार्यवाही करते है ,अभी आपने जानकारी दी है तो मैं दिखवाता हु और कार्यवाही करवाता हु । आबकारी इंस्पेक्टर मिश्रा जी क्या आबकारी इंस्पेक्टर मिश्रा जी सिर्फ जब कोई खबर देता है तभी कार्यवाही करने अपने ऑफिस से निकलते है या खुद भी कुछ कार्य करते है क्या जब कोई शिकायत होगी तभी मिश्रा जी अवैध शराब पकड़ने जाएंगे और दिखावटी कार्यवाही कर वापस आ जाएंगे एवं ठेकेदार के अवैध कारोबार को इसी तरह संरक्षण प्रदान करते रहेंगे।

कटनी में हुई ट्रैफिक थाना प्रभारी की बैठक

त्योहारों के दौरान यातायात व्यवस्था के लिए ऑटो चालकों को निर्देश

सुनील यादव । सिटी चीफ । कटनी, कटनी जिले के ट्रैफ़िक थाना प्रभारी राहुल पांडे ने मिशन चौक स्थित यातायात पुलिस चौकी पर शहर मे दौड़ रहे रहे ऑटो रिक्शा संचालको की एक बैठक रखी गई. यह बैठक आने वाले त्यौहारों के मद्देनजर रखी गई.इस बैठाक मे ऑटो संघ के अध्यक्ष व शहर मे ऑटो चलाने वाले ड्राइवर मौजूद रहे कटनी ट्रैफिक थाना प्रभारी राहुल पांडे ने सभी से कहा की आने वाले त्योहार मे शहर मे भीड़ रहती है और यदि ऑटो उस स्थान पर पहुँचती है तो लोगो को समस्याओ का सामना करना पडता है इस लिए त्यौहार तक शहर के भीड़ भरे इलाके मे ऑटो न लेकर जाए और सभी ड्राइवर अपनी अपनी वर्दी पहनकर की ऑटो चलाएं. वही राहुल पांडे ने सभी ऑटो चलको को यह हिदायत भी दी है की यदि वे जबरन भीड़ भरी जगह पर ऑटो लेकर जाते है तो उन्हें मजबूरन कार्यवाही करनी पड़ेगी इस लिए त्यौहार के ट्रैफ़िक पुलिस के अनुसार जो रुट तय किए है उसी रुट पर ऑटो चलाएं.

कटनी में डकैती की साजिश नाकाम

झिंझरी पुलिस चौकी द्वारा पाँच आरोपी अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी माधवनगर थाना अंतर्गत झिंझरी पुलिस चौकी की पुलिस ने डकैती की योजना बनाते हुये पाँच आरोपियों को अवैध हथियार 1 रिवाल्वर एक देशी कट्टा और चाकू के अलावा चाबी का गुच्छा सहित काई समान के साथ अरेस्ट किया है। ये सभी आरोपी एक पेट्रोल पंप को निशाना बनाना चाह रहे थे। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि एक लूटे गए मोबाइल के सक्रिय होने की सूचना प्राप्त होने पर मोबाइल की लोकेशन झिंझरी तिराहा के पास शमशान घाट के निकट पाई गई, जिससे त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना माधवनगर, झिंझरी पुलिस एवं सायबर सेल का एक संगठित अभियान शुरू कर।आरोपी की तलाश हेतु सायबर सेल से प्राप्त सूचना पर पुलिस चौकी झिंडारी के द्वारा हमराह स्टाफ सहित संदेहियों की लोकेशन की ओर चेक करने के लिये गये, मौके पर पहुँचने पर शमशान घाट झिंझरी में बने कमरे के अंदर से लोगों के बातचीत करने की आवाज आने पर कमरे के दाहिनी ओर बनी खिड़की के पास जाकर उनकी बातचीत को सुनने पर कमरे के अंदर बैठे लोग आपस में बातचीत कर रहे थे कि आज रात को बड़ेरिया के पेट्रोल पम्प में लूट करना है और यदि कोई आयेगा तो उसे निपटा देगें। संदिग्ध गतिविधियाँ देखने और सुनने के बाद चौकी प्रभारी झिंझरी द्वारा माधवनगर थाना प्रभारी माधवनगर निरीक्षक अनूप सिंह तथा अन्य अधिकारियों को सूचित कर बुलाया गया। थाना प्रभारी माधवनगर ने तत्काल मौके पर पहुँचकर तीन टीमें गठित कीं टीमों ने सतर्कता बरतते हुए शमशान घाट झिंझरी के अंदर बने एक कमरे में रेड कार्यवाही की गई। पुलिस पार्टी के कमरे में घुसते ही वहाँ मौजूद पाँचों लोग भागने की कोशिश करने लगे, जिससे पुलिस द्वारा सतर्कतापूर्वक त्वरित कार्यवाही कर सभी आरोपियों को पकड़ लिया गया, आरोपियों के कब्जे से मोबाइल, रिवाल्वर, चाकू, देशी कट्टा एवं अन्य सामान जप्त किया गया तथा आरोपियों की गिरफ्तारी की गई।

धोखाधड़ी के मामले में कॉलोनाईजर पूजा अग्रवाल की अग्रिम जमानत खारिज

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, अवैध कालोनी में झूठी जानकारी देकर सहायक नेत्र चिकित्सक को भूखंड बेचने के मामले में घिरी कालोनाईजर पूजा अग्रवाल की मुश्किलें कम होने की बजाय अब निरंतर बढ़ती नजर आ रही हैं। यही कारण है कि न्यायालय द्वारा पूजा अग्रवाल के खिलाफ धारा 420 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और अब उसकी अग्रिम जमानत को खारिज कर दिया गया है। अभिभाषक मोहम्मद यूनुस खान ने बताया कि फरियादी सेवा निवृत्त सहायक नेत्र चिकित्सक एआर खान के द्वारा कालोनाईजर पूजा अग्रवाल के खिलाफ परिवाद न्यायालय शाजापुर में प्रस्तुत किया था। न्यायालय द्वारा आरोपी कालोनाईजरपूजा अग्रवाल के विरुद्ध आईपीसी की धारा 420 धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया गया था। उक्त मामले में पहले पूजा ने अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थिति दर्ज करवाई और बीमारी के आधार पर समय मांगा गया, उसके उपरांत सत्र न्यायाधीश मुकेश रावत प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शाजापुर के न्यायालय में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत करवाया। आवेदन पर बहस के दौरान परिवादी एआर खान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद यूनुस खान द्वारा परिवाद के आधार पर अग्रिम जमानत के आवेदन का विरोध किया गया। न्यायालय ने यूनुस खान के द्वारा दिए गए तर्क के आधार पर आरोपी पूजा अग्रवाल की अग्रिम जमानत का आवेदन निरस्त कर दिया है।

शाजापुर लीड कॉलेज में एआई प्रवेश परीक्षा के लिए आयोजित हुआ प्रशिक्षण

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा उच्च शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए प्रदेश के 55 प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस एवं 13 शासकीय स्वशासी कॉलेजों में आईआईटी दिल्ली के सहयोग से दो सर्टिफिकेट कोर्स आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स और फिनटेक विद आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स का संचालन किया जा रहा है। यह कोर्स प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में भी शुरू किए जा रहे हैं। इन दोनों कोर्स में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन 05 नवम्बर 2024 को बीकेएसएन महाविद्यालय में किया जाएगा, जिसके प्रवेश परीक्षा के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बीएस विभूति के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को शनिवार को परीक्षा की तैयारी हेतु प्रशिक्षण दिया गया। एआई कोर्स के नोडल अधिकारी प्रो प्रकाश बर्फा ने बताया कि आयोजित होने वाली एक घण्टे की परीक्षा में कुल 60 वस्तुनिष्ठ प्रश्न जो सामान्य ज्ञान, गणितीय, तकनीकि योग्यता, उभरती प्रौद्योगिकी, रचनात्मकता एवं नवाचार और संचार से संबंधित होंगे। परीक्षा में कोई नेगेटिव मार्किंग नही होगी। परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को महाविद्यालय के गणवेश, परिचय पत्र के साथ उपस्थित होना होगा। परीक्षा का समय सुबह 11 बजे से रहेगा। परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ के 30 मिनट पूर्व परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण में महाविद्यालयीन स्टॉफ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थीं।

शाजापुर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शाजापुर में 26 अक्टूबर शनिवार को एक दिवसीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्था प्राचार्य प्रवीण कुमार मंडलोई ने किया। उद्घाटन सत्र में उन्होने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना, रचनात्मकता और नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण और समाज के प्रति जागरूकता लाना है। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विज्ञान, गणित, पर्यावरण और सामाजिक विज्ञान से जुड़े विभिन्न मॉडल्स, प्रोजेक्ट्स और पोस्टर्स का प्रदर्शन किया। मंडलोई ने बताया कि विज्ञान और तकनीकी पर विद्यार्थियों ने सोलर एनर्जी सिस्टम, वाटर प्यूरीफिकेशन प्लांट, स्मार्ट सिटी आदि मॉडल्स बनाए। प्रदर्शनी में गणितीय सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक उपयोग से संबंधित प्रोजेक्ट्स, जो कि विद्यार्थियों के गणितीय कौशल को प्रदर्शित किए गए। वहीं पर्यावरण के संरक्षण से जुड़े मॉडल्स और जागरूकता बढ़ाने वाले पोस्टर्स, जिनमें प्रदूषण, जैव विविधता और जल संरक्षण पर आधारित प्रोजेक्ट्स शामिल थे। प्रदर्शनी में 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया और उन्होंने अपनी रचनात्मकता, विज्ञान के प्रति रुचि का परिचय दिया। प्रदर्शनी प्रभारी ओम प्रकाश पाटीदार ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों से विज्ञान, गणित, पर्यावरण, सामाजिक विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर ज्ञान और जागरूकता को प्रोत्साहित किया जाता है। इन उद्देश्यों के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास होता है और वे अपनी जिज्ञासाओं को नए आयाम देने के लिए प्रेरित होते हैं। प्रदर्शनी में प्रस्तुत मॉडल्स का मूल्यांकन रविकांत त्रिपाठी, सियाराम पाटीदार तथा स्वेता चौहान ने किया। कार्यक्रम में देवप्रकाश श्रीवास्तव, डॉ माखनलाल धानुक, गौरव व्यास, रेखा गेहलोत, ज्योति रिणवा, बद्रीलाल नागर, निदा खान, कमल गुर्जर, तृप्ति उपाध्याय सहित स्टाफ के सदस्य उपस्थित थे।

यह रहा परिणाम प्रदर्शनी में शामिल होने वाले विद्यार्थी आगामी दिनों में होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेंगे। शनिवार को हुई प्रदर्शनी में भोजन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कथानक में मोनिका शर्मा 12वीं प्रथम, पायल कुशवाह 12 द्वितीय रहे। वहीं परिवहन एवं संचार कथानक में सुजल कारपेंटर 10वीं प्रथम तथा पीयूष सौराष्ट्रीय 12वीं द्वितीय, प्राकृतिक खेती कथानक में सचिन गुर्जर 12वीं प्रथम, विकास चौहान 12वीं द्वितीय, आपदा प्रबंधन कथानक में पूनम पंवार 11वीं प्रथम, सावन सौराष्ट्रीय 11वीं द्वितीय, गणितीय मॉडलिंग कथानक में संस्कृति शर्मा 10वीं प्रथम, लक्ष्मी चौहान 11वीं द्वितीय, अपशिष्ट प्रबंधन कथानक में महकसा सिद्दीकी 12वीं प्रथम, रिया पाटीदार 12वीं द्वितीय, संसाधन प्रबंधन कथानक में धूव्र राठौर 12वीं प्रथम, रोशनी पाटीदार 12वीं द्वितीय स्थान पर चयनित हुए।

शहडोल जिले में पटाखों के अवैध निर्माण और भंडारण पर की जा रही सख्त कार्यवाही

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
शहडोल, शहडोल पटाखों के अवैध भंडारणकर्ता और अवैध निर्माताओं की सूचना देने और उनको पकड़वाने पर दिया जाएगा 5 हजार रुपए का इनाम
शहडोल – कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ केदार सिंह के मार्गदर्शन में शहडोल जिले में पटाखों के अवैध निर्माण और भंडारण करने वालों के विरुद्ध पुलिस एवं जिला प्रशासन द्वारा सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज जयसिंहनगर थाना क्षेत्र में तहसीलदार जयसिंहनगर एवं थाना प्रभारी जयसिंहनगर की संयुक्त टीम द्वारा अवैध रूप से पटाखे भंडारण के आरोपी के ठिकाने पर छापा मार कर करीब 30 हजार रुपए कीमत के अवैध पटाखे एवं विस्फोटक सामग्री जप्त की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 अक्टूबर 2024 को सूचना प्राप्त हुई थी, कि कस्बा जयसिंहनगर में मोहम्मद सलीम खान निवासी जयसिंहनगर अपने मकान में अवैध रूप से पटाखे बेचने हेतु रखा है, सूचना के आधार पर पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी गई। दबिश के दौरान यह पाया गया कि आरोपी ने अपने मकान में दीपावली में उपयोग आने वाले अवैध पटाखा बेचने हेतु रखा है। जब उसे पटाखे के संबंध में वैध अनुज्ञप्ति मांगी गई तो आरोपी ने बताया कि उसके पास कोई लायसेंस नहीं है। मौके पर तलाशी लेने पर संयुक्त टीम को विभिन्न प्रकार के पटाखे जिसकी कुल कीमत लगभग 30 हजार रुपए को जप्त कर आरोपी के विरुद्ध बीएनएस एवं विस्फोटक अधिनियम की धारा के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस कार्यवाही में तहसीलदार जयसिंहनगर श्रीमती सुषमा सिंह उईके एवं थाना प्रभारी जयसिंहनगर श्री सत्येंद्र प्रसाद चतुर्वेदी के नेतृत्व में सहायक उप निरीक्षक प्रमोद कुमार, प्रधान आरक्षक नरेंद्र एवं लाला प्रसाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ केदार सिंह ने गणमान्य नागरिकों और ग्रामीणों से कहा है कि पटाखों के अवैध भंडारणकर्ता और निर्माताओं की सूचना देने और पकड़वाने में मदद करने वालों को 5 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में जिला स्तरीय दीक्षांत समारोह संपन्न

भगवान दास बैरागी | सिटी चीफ | शाजापुर, शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था शाजापुर में शनिवार को जिला स्तरीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सत्र 2024 में उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने पर प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान की गई। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रशिक्षण अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईटीआई प्राचार्य राजाराम कटारिया ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उपाध्यक्ष संस्था विकास समिति एवं मप्र लघु उद्योग भारती दिनेश तिवारी, विशेष अतिथि संजय बडगडिया, सुभाष मण्डलोई, विष्णु पाटीदार, किशोरकुमार प्रजापति, पॉलेटेक्निक कॉलेज प्राचार्य विपुल प्ररमार्थी संस्था रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए प्रेरित किया। संचालन कामिनी राजपूत ने तथा आभार मनीष गुलाटी ने माना।

ट्रैक्टर खरीदी में धोखाधड़ीऔर एएसआई आर एन तिवारी पर जांच प्रभावित का आरोप एसपी से शिकायत

कंपनी व एजेंसी द्वारा ठगी के आरोप में प्रार्थी संतलाल की शिकायत पर एसडीओपी को जांच के आदेश

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनूपपुर, गत दिनांक 25.10.2024 को संतलाल यादव पिता स्व. रामदीन यादव निवासी ग्राम कांसा थाना व जिला अनूपपुर म.प्र. के द्वारा पुलिस अधीक्षक अनूपपुर को अपनी लिखित शिकायत प्रस्तुत करते हुए ट्रैक्टर खरीदी के लेनदेन मामले में एजेंट एजेंसी व इंडस्लैंड बैंक के कर्मचारी द्वारा धोखाधड़ी किए जाने का शिकायत थाना प्रभारी को प्रस्तुत किए जाने पर जांच अधिकारी एएसआई आरएन तिवारी द्वारा गवाहों को धमका कर जांच प्रभावित करने के विषय में आरोप लगाया है।

यह है मामला आवेदक संतलाल यादव द्वारा पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत में आरोप लगाते हुए लेख किया है कि मेरे द्वारा रूद्र मोटर्स उप शाखा राजेंद्रग्राम के सेल्समैन हैदर अली एवं इंडस्लैंड बैंक शाखा अनूपपुर के प्रबंधक व फाइनेंसर सुदीप सिंह, अनूप सिंह से लगभग 2 वर्ष पूर्व ट्रैक्टर सोनालिका क्रमांक एमपी 65 जेडए1895 कुल राशि 7 लाख रुपए में फाइनेंस कराया गया था। जिस पर मेरे द्वारा नगद भुगतान 2 लाख रुपए एवं पुराना ट्रैक्टर महिंद्रा शक्तिमान क्रमांक एमपी 65 एए 1277 की राशि 2लाख 50 हजार रुपए में माइनस करने का सौदा आनंदराम यादव, दुर्गेश यादव, जगदीश यादव, तीनों निवासी ग्राम कांसा के समक्ष किया जाकर सुपुर्द किया गया था। जिससे मुझ प्रार्थी को फाइनेंस के लिए शेष देय राशि मात्र 2 लाख 20 हजार रुपए बचता है परंतु रूद्र मोटर्स के सेल्समैन एवं इंडस्लैंड बैंक के प्रबंधक फाइनेंसर के द्वारा धोखाधड़ी करते हुए पुराना ट्रैक्टर महिंद्रा की राशि को कुल राशि से माइनस नहीं किया गया सिर्फ नगद राशि को माइनस करके नया ट्रैक्टर की पूरी राशि फाइनेंस कर धोखाधड़ी करते हुए मुझसे ठगी किया गया। जिसकी शिकायत मेरे द्वारा थाना प्रभारी को 21.6.2024 को करने के पश्चात रंजिश रखते हुए दिनांक 27.6.2024 को तकरीबन 6ः00 बजे सायं रूद्र मोटर्स शाखा राजेंद्र ग्राम के सेल्समैन हैदर अली और इंडस्लैंड बैंक शाखा अनूपपुर के कर्मचारी राहुल द्वारा अपने 10 गुंडों आसामाजिक बाहरी साथियों सहित मेरे ग्राहक के घर पर गाली गलौज जान से मारने की धमकी देते हुए वहां खड़ी मेरी ट्रैक्टर सोनालिका जबरन उठाकर ले गए और मेरा पुराना ट्रैक्टर भी वापस नहीं किया और ना ही दोनों ट्रैक्टर के कोई दस्तावेज मुझे वापस दिए।

थाना प्रभारी कोतवाली अनूपपुर को शिकायत पर नहीं हुई कार्यवाही आवेदक संतलाल यादव के द्वारा अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि मेरे द्वारा दिनांक 27.6. 2024 को लिखित शिकायत इस संबंध में थाना प्रभारी कोतवाली अनूपपुर को प्रस्तुत किया गया था जिसमें एएसआई रामनारायण तिवारी को जांच हेतु दस्तावेज मिला था जिनके द्वारा बहुत दिनों तक कोई कार्यवाही नहीं की गई जब मैं प्रार्थी 181 में कंप्लेंट किया तो तिवारी एएसआई के द्वारा कार्यवाही करने के थाना बुलाया गया जिसमें मैं गवाह आनंद राम के साथ गया था तब उन्होंने मेरा बयान लिया और 181 कंप्लेंट को कटवा दिया गया गवाह आनंद राम यादव का बयान कई दिनों बाद अकेले में बुलाकर थाने में डराया धमकाया गया जेल भेजना की भी धमकी दी गई जिसमें उक्त गवाह डरकर बयान कागज में हस्ताक्षर कर दिया और एएसआई आर एन तिवारी के द्वारा मनमाने तरीके से गवाही का बयान लिख लिया गया। उक्त जानकारी मेरे गवाह आनंद राम के द्वारा मुझे बाद में आकर बताया गया तब मैं शेष गवाहों का बयान नहीं करवाया क्योंकि जांच अधिकारी एएसआई आरएन तिवारी के द्वारा उन्हें भी डराया धमकाया जाकर जांच को प्रभावित कर दिया जाता ऐसा मुझे लग रहा है कि उनकी मिली भगत कंपनी और फाइनेंसर से है जिसके कारण मेरी शिकायत पर किसी प्रकार की जांच नहीं की गई पत्र में निवेदन करते हुए प्रार्थी ने लिखा है कि उच्च अधिकारी से जांच कराया जाकर मुझे न्याय प्रदान करें।

इनका कहना है -

एसपी साहब एवं एएसपी साहब के अनुपस्थिति में मुझे शिकायत प्राप्त हुआ जिस पर आवेदक को समक्ष सुनकर के उक्त प्रकरण को जांच करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने हेतु एसडीओपी अनूपपुर को लेख किया गया है।

एन एस ठाकुर (डीएसपी) पुलिस **अधीक्षक कार्यालय अनूपपुर।**

छोटू के सामने नतमस्तक है चचाई व अमलाई पुलिस

चोरी के छाई से पक रहे अवैध ईंट भट्टे, स्थानीय पुलिस का संरक्षण बरकरार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ । अनूपपुर, चचाई थाना अंतर्गत जमकर छाई का अवैध कारोबार संचालित किए जा रहे है,जिस पर मानो शासन – प्रशासन की नजर ही नहीं पहुंच रही है, अनूपपुर जिले के नगर परिषद बरगवां अमलाई पर बसा अमलाई डोंगरिया टोला सिद्ध बाबा मंदिर के पीछे बरगवां में जमकर चोरी के कोयले और चोरी की छाई से अवैध ईंट के भट्टे का संचालन किया जा रहा है,जिससे क्षेत्र में चोरी करने वालों पर भी इजाफा हो रहा है,तो वही बंद पड़ी खदानों से भी कोयले निकाले जा रहे हैं, अवैध खदानों से आ रहे कोयले तो वहीं मुख्य रूप से ओरियंट पेपर मिल से निकलने वाली छाई का भी उपयोग ईट भट्टे संचालक छोटू प्रजापति के द्वारा किया जाता है, जिससे क्षेत्र के नवयुवक कोयला, छाई चोरी जैसे कृत्य को भी अंजाम दे रहे हैं, अवैध ईट के भट्टों के कारोबार से जहां सरकार को भारी राजस्व का नुकसान हो रहा है, वही इन क्षेत्रों में ईट भट्टा संचालक के द्वारा कॉलरी खदानों से कोयला चुराकर भट्टे के समीप ही एक स्थान का चयन कर चोरी के कार्य को स्टार्ट किया जाता है, और फिर एक भट्टा संचालक दूसरे भट्टा संचालको मनमर्जी दामों में कोयले की बिक्री करते रहते हैं, जिससे एसईसीएल के साथ जिला प्रशासन को भी राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, सुबह से लेकर शाम तक ओरिएंट पेपर मिल से निकलने वाला छाई जो ईट भट्टा संचालक छोटू प्रजापति द्वारा चोरी कर अपने भट्टे के साथ-साथ अमलाई क्षेत्र में संचालित होने अवैध ईंट भट्टों तक

भी चोरी के छाई को बकायदे अपने दो ट्रैक्टरो के माध्यम से पहुंचाया जाता है, साथ ही नगर परिषद बरगवां अमलाई के वार्ड क्रमांक 8 रहवासी क्षेत्र होते हुए बिना किसी भय के रहवासी क्षेत्र से चोरी के छाई को ट्रैक्टर से ले जाया जाता है, वार्ड वासियों के मना करने के बावजूद भी लगातार यह ट्रैक्टर के माध्यम से प्रतिदिन चोरी के छाई को ले जाता है, जिसके कारण कभी भी बड़ी घटना घट सकती है द्य बाकायदा चचाई व अमलाई पुलिस के संरक्षण में यह छाई दलाल छोटू प्रजापति अपने कार्य को अंजाम देता हुआ नजर आ रहा है जिस पर शासन- प्रशासन का कोई भय ही नहीं है । दिन भर में लगभग 20 गाड़ी ट्रैक्टरों के माध्यम से चोरी की छाई को 1500 रुपए प्रति ट्रिप के माध्यम से ईट भट्टो तक छोटू प्रजापति द्वारा पहुंचाया जाता है , जिस पर पुलिस का संरक्षण बरकरार है द्य कुछ माह पहले ओरिएंट पेपर मिल के सिक्योरिटी विभाग द्वारा छोटू प्रजापति के ट्रैक्टर को छाई लोड करते पकड़ा गया था, जिस पर छोटू प्रजापति के द्वारा सिक्योरिटी विभाग के आंख में धूल झोंक कर दूसरी चाभी लगाकर ट्रैक्टर लेकर वहां से फरार हो गया था, साथ ही छेड़छाड़ के मामले में कई बार छोटू प्रजापति के ऊपर चचाई थाने में शिकायत भी हो चुकी है, बिना भय और डर के इस व्यक्ति द्वारा धड़ले से छाई अवैध कार्य करते आ रहा है ।

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश संगठन मंत्री मोहित गोयल ने कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें अयोध्या में स्थापित भगवान श्री रामलला का चित्र भेंट किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । सहारनपुर (नागल)। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रदेश संगठन मंत्री मोहित गोयल ने कैबिनेट मंत्री खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें अयोध्या में स्थापित भगवान श्री रामलला का चित्र भेंट किया। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की उत्तर प्रदेश कार्यकारिणी की दिल्ली स्थित खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्रालय में बैठक थी, जिसमें संगठन के प्रदेश संगठन मंत्री मोहित गोयल ने प्रदेश में पार्टी के विस्तार को अपने विचार रखते हुए कहा कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में पार्टी संगठन की इकाई का गठन होना नितान्त जरूरी है ऐसा होने पर ही पार्टी प्रदेश में अपनी अमिट पहचान बनाने में सक्षम होगी। कैबिनेट मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि हमें पार्टी व संगठन से जोड़ने के लिए युवा वर्ग को प्राथमिकता देनी होगी, तभी यह पार्टी प्रदेश में अपनी मजबूत पकड़ बनाने में कामयाब होगी।

पश्चिम में रालोद के जनाधार की वापसी का जयंत चौधरी को एक और मौका

सुरेंद्र सिंघल, वरिष्ठ पत्रकार

मुजफ्फरनगर (मीरापुर), भारत रत्न और किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह के सियासी वारिस और उनके पौत्र केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद के जनाधार की वापसी का एक और मौका मीरापुर उपचुनाव के जरिए मिला है। लोकसभा चुनावों में भाजपा गठबंधन में शामिल हुए जयंत चौधरी की लोकप्रियता और मतदाताओं पर पकड़ 13 नवंबर को सहारनपुर मंडल की मीरापुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में शामिल होगी। चौधरी चरण सिंह ने 1977 में जनता पार्टी को जिताने में निर्णायक भूमिका अदा की थी और उनके करीब 100 सांसद जनता पार्टी के विजयी उम्मीदवारों में शामिल थे। चौधरी चरण सिंह मोरारजी भाई को हटाकर प्रधानमंत्री भी बने और उससे पहले दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रह चुके थे। उनके पुत्र चौधरी अजीत सिंह को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त नहीं हुआ लेकिन वह कई बार केंद्र में काबिना दर्जे के मंत्री रहे। उत्तर प्रदेश में चौधरी चरण सिंह से अलग होकर मुलायम सिंह यादव ने जिस तरह से पिछड़ों की गोलबंदी कर अपने बूते जनाधार वाली पार्टी खड़ी की उसका उल्टा असर पश्चिम की किसान उन्मुख पार्टी राष्ट्रीय लोकदल पर पड़ा। ना तो चौधरी अजीत सिंह और ना ही उनके बेटे जयंत चौधरी रालोद को बड़ी पार्टी के रूप में खड़ी कर पाए। चौधरी चरण सिंह के जमाने में किसान और पिछड़ी जातियां रालोद की मुख्य धूरी में थे। लेकिन बाद में पिछड़ी जाति उनका साथ छोड़ती चली गई। अजीत सिंह को चुनावों में दूसरे राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन करने को मजबूर होना पड़ा। यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। 2022 के विधानसभा चुनावों में रालोद को अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी से बड़ा सहारा मिला और उसके चार नेता राजपाल सैनी, सौरभ स्वरूप, अनिल कुमार और चंदन चौहान रालोद के टिकट पर चुनाव लड़े जिनमें से अनिल कुमार और चंदन चौहान चुनाव जीत गए और ये दोनों सपा और रालोद के संबंध टूटने पर भी रालोद का हिस्सा बने रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और रालोद साथ आए। चंदन चौहान बिजनौर से सांसद चुन लिए गए। लेकिन जयंत चौधरी इस उपचुनाव में अपने कार्यकर्त्ता को टिकट देने का साहस नहीं कर पाए।

उन्होंने भाजपा से मिथलेश पाल को उधार लिया। जिससे रालोद में भारी असंतोष है। पूर्व सांसद मलूक नागर किसी भी तरह से अपने बेटे अयान नागर को टिकट चाहते थे और सांसद चंदन चौहान जिताऊ उम्मीदवार के रूप में अपनी पत्नी यशिका चौहान को टिकट चाहते थे। रालोद के दो प्रमुख नेता अजीत राठी और प्रमोद तोमर को टिकट ना मिलने से मायूस है। बदली परिस्थितियों में जयंत चौधरी रालोद के जनाधार का विस्तार करने की गरज से गैर जाट बिरादरियों पर ही दांव लगा रहे हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल में राजपाल बालियान के बजाए अनुसूचित जाति के अनिल कुमार को प्रतिनिधित्व दिलाया और मीरापुर उपचुनाव में जाट, गुर्जर जैसी पश्चिमी उत्तर प्रदेश की प्रभावशाली जातियों को छोड़कर ओबीसी बिरादरी की मिथलेश पाल को चुनाव लड़ाने का फैसला किया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीतिक समझ रखने वाले राजनीतिक विश्लेषक जयंत चौधरी के इस फैसले को बेहतर मान रहे हैं। भाजपा भी मजबूती के साथ जयंत चौधरी के साथ खड़ी है। अभी हाल ही के हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि ओबीसी जातियों पर दांव लगाना सफलता की गारंटी बन गया है। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने इसी मंत्र के बूते हरियाणा में तीसरी बार शानदार विजय हासिल की। जबकि माहौल उनके विरूद्ध था और बाजी कांग्रेस और उसके नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पक्ष में दिख रहा था। ऐसे में जयंत चौधरी की ताजी कोशिशों को पश्चिम में रालोद का जनाधार बढ़ाने के रूप में देखा जा रहा है। रालोद और भाजपा गठबंधन को मीरापुर उपचुनाव में विपक्षी दलों की ओर से तमाम उम्मीदवार मुस्लिम उतारे जाने का लाभ दिख रहा है। देखना है कि रालोद नेता सांसद चंदन चौहान, मंत्री अनिल कुमार इस स्थिति को कैसे अपने पक्ष में भुनाने में सफल होते हैं। बहरहाल अखिलेश यादव मीरापुर सीट पर भाजपा-रालोद गठबंधन की कड़ी परीक्षा जरूर लेंगे।

पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण व किसानों की समस्याओं को लेकर संघर्ष जारी रहेगा - भगत सिंह वर्मा

बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण – भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ । देवबंद (सहारनपुर)। ग्राम तिगरी में एक बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण व अन्नदाता किसानों की समस्याओं के लिए हम लोग आखिरी दम तक लड़ते रहेंगे। लगातार बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है। उत्तर प्रदेश बड़ा राज्य होने के कारण समस्याओं से ग्रसित प्रदेश है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों 27 लोकसभा क्षेत्र 6 मंडलों 137 विधानसभा क्षेत्र और 8 करोड़ जनता की उन्नति और विकास के लिए पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण जरूरी है। पृथक पश्चिम प्रदेश बनने पर यहां किसानों, मजदूरों, नौजवानों, बेरोजगारों और छात्रों की समस्याएं प्राथमिकता पर हल होगी और पश्चिम प्रदेश के गन्ना किसानों को गन्ने का लाभकारी मूल्य ? 700 कुंतल चीनी मिलों से नकद दिलाया जाएगा। आज पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण व किसानों की समस्याओं के लिए सांपला खत्री, सांपला बक्काल, फुलास अकबरपुर, गोपाली, कुरलकी, तिगरी, राजुपुर गांव में जनसंपर्क करके पंचायत करके

28 अक्टूबर को कमिश्नर कार्यालय सहारनपुर में किसानों, मजदूरों, युवाओं में छात्रों से अपने हकों के लिए भारी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। 28 अक्टूबर दिन सोमवार समय 11 बजे कमिश्नर कार्यालय सहारनपुर पृथक पश्चिम प्रदेश निर्माण व किसानों की समस्याओं को लेकर महापंचायत और धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। जिसमें अपने हकों के लिए हजारों की संख्या में लोग भाग ले। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि लगातार बढ़ती हुई समस्याओं का एकमात्र हल पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण ही है। भाजपा की प्रदेश और केंद्र सरकार लगातार गन्ना किसानों की अनदेखी कर रही है। प्रदेश की योगी सरकार गन्ना किसानों को गाने का लागत मूल्य 550 रुपए कुंतल भी चीनी मिलों से नहीं दिला रही है और समय से चीनी मिलों से गन्ना भुगतान और ब्याज नहीं दिला रही है। जिसके लिए भाजपा की प्रदेश सरकार सीधे-सीधे दोषी है। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि गन्ने का लाभकारी मूल्य ? 700 कुंतल करने के लिए भारतीय किसान यूनियन वर्मा का संघर्ष जारी रहेगा। बैठक की अध्यक्षता जिला मंत्री मोहम्मद राशिद ने की और संचालन प्रदेश महामंत्री आसिम मलिक ने किया। बैठक में प्रदेश सचिव मोहम्मद मास्टर रईस, जिला उपाध्यक्ष वसीम जहीरपुर, नईम प्रधान, हाजी सुलेमान, मोहम्मद राशिद गौड़, मोहम्मद तमरेज, रिजवान, ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद वसीम, डॉक्टर शारिक, हाजी जाहिद, महबूब हसन, मोहम्मद फुरकान, मोहम्मद इरफान, सुमित वर्मा, संदीप ग्रेवाल आदि ने भाग लिया।

नगर पालिका परिषद सभागार में शिविर का हुआ आयोजन

सभासदों, कर्मचारियों और गणमान्य लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में जानकारी दी गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, नगरपालिका परिषद सभागार में आयोजित शिविर में सभासदों, कर्मचारियों और गणमान्य लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान उन्हें संयंत्र लगवाने सहित सब्सिडी सहित अन्य सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में नियोजित अधिकारी विवेक शर्मा ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं के घरों पर सौलर पैनल संयत्र लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसमें 1 से 10 किलोवाट क्षमता के संयंत्र का

अनुमानित मूल्य लगभग 60-65 हजार रुपये प्रति किलोवाट है। संयंत्र लगवाने के बाद केंद्र व राज्य सरकार सब्सिडी सीधी उपभोक्ताओं के खातों में भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए ऑनलाईन आवेदन करना होगा। उपभोक्ता द्वारा सोलर पैनल संयंत्रों की स्थापना में खर्च की गई धनराशि की प्रतिपूर्ति विद्युत बिल के बचन के रूप में 3 से 4 वर्षों में हो जाती है। 2 किलोवाट पर 90 हजार रुपये और 03 किलोवाट पर 1.08 लाख रूपये की सब्सिडी की सुविधा मिलेगी। उपभोक्ता इस योजना का लाभ प्राप्त कर 300 यूनिट की बिजली मुफ्त में प्राप्त कर सकते है। इस दौरान ईओ डा. धीरेंद्र कुमार राय समेत नगरपालिका के कर्मचारी और सभासद समेत अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

नगर के संत बुखारदास बाबा मेला ग्राउंड पर लगेगा पटाखा बाजार, 31 दुकानदारों को जगह आवंटित

सुरक्षा के लिए, अग्निशमन यंत्र सीज फायर रेत की बाल्टियां पानी आदि रखना अनिवार्य होगा

मूंदी नगर में दीपावली के लिए पटाखा बाजार संत बुखारदास एवं संत गुलाबदास बाबा मेला ग्राउंड पर लगेगा। शनिवार को नगर परिषद द्वारा मेला ग्राउंड पर लॉटरी से 31 दुकानदारों को अस्थाई रूप से जगह आवंटित की गई। व्यापारियों के नाम लिखने के साथ प्रत्येक दुकानदार से 3 हजार रुपए शुल्क नगर परिषद द्वारा जमा कराया गया। बच्चों के साथ बड़ो ने डिब्बे से पर्ची निकालकर लॉटरी खोली प्रत्येक दुकानदार को 15 बाय 15 की जगह उपलब्ध कराई गई। सभी दुकानों के बीच करीब 5 फिट की जगह रखी गई। राजस्व प्रभारी आकाश शर्मा ने प्रत्येक दुकानदार से अपने आसपास सफाई के साथ ही सुरक्षा के लिए रेत पानी का इंतजार करने को कहा वही उन्होंने कहा कि लाइसेंस की छाया प्रति दुकान में साथ रखना अनिवार्य होगा। दुकानदारों ने नगर परिषद से मांग की पुलिस बल यहा रहे तैनात पिछले साल कई समान हमारा चोरी चले गया। इसको लेकर के पटाखा ग्राउंड सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहे इसको लेकर नगर परिषद ने थाने में आवेदन दिया है। दुकानों के लिए जगह मिलते ही रात में दुकानदारों ने टेंट तंबू लगाकर दुकान लगाने की तैयारी शुरू कर दी। इस दौरान नगर परिषद के स्वच्छता प्रभारी माखनलाल कानुगो राम राठौर नवीन डोंगरे शुभम चौहान नितिन भगत नवीन डोंगरे गिरीश खोती चंदन चंद्रवंशी आदि मौजूद रहे।

दुकानदार और ग्राहकों को यह नियमों का करना होगा पालन। पटाखा दुकान क्षेत्र में मोबाइल फोन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। दुकानदार और खरीदी के लिए आए ग्राहकों को अपने मोबाइल फोन बंद रखना होगा। प्रत्येक दुकानदार को रेट पानी अग्नि सामान यंत्र दुकान पर रखना अनिवार्य होगा। प्रतिबंधित पटाखों का विक्रय निषेध रहेगा सिंगल उसे पॉलिथीन पूर्ण प्रतिबंधित रहेगी। दुकानों पर बिजली की वायरिंग खुली ना हो प्रत्येक मास्टर स्विच से फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए जिससे शॉर्ट सर्किट होने पर बिजली सप्लाई बंद हो जाए।

खजुराहो , बांद्रा टर्मिनस ,जयपुर असारवा एवं नाथद्वारा ओखा ट्रेन के कपासन स्टेशन पर ठहराव की विशेष

कपासन। भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल कपासन द्वारा सांसद सीपी जोशी को रेलवे संबंधित मांगों के लिए ज्ञापन दिया गया। युवा मोर्चा कपासन नगर अध्यक्ष विकास बारेगामा ने बताया कि शनिवार दोपहर को सांसद सीपी जोशी के कपासन अल्प प्रवास के दौरान विधायक अर्जुन लाल जीनगर के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने दुर्गा माता मंदिर पर स्वागत किया। इस दौरान युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा कपासन रेलवे स्टेशन पर सुविधाएं बढ़ाने और ट्रेनों के ठहराव से संबंधित कपासन क्षेत्र की जनता की बहुप्रतीक्षित मांगों से सासंद सीपी जोशी और विधायक अर्जुन लाल जीनगर को अवगत करवाया जिसमें खजुराहो , बांद्रा टर्मिनस ,जयपुर असारवा एवं नाथद्वारा ओखा ट्रेन के कपासन स्टेशन पर ठहराव की विशेष मांग की। साथ ही आरक्षण खिड़की का समय प्रात: 8 से सांय 6 बजे तक बढ़ाने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त उदयपुर हरिद्वार ट्रेन को प्रतिदिन करने,उदयपुर वैष्णोदेवी नियमित ट्रेन चला कर कपासन में ठहराव सुनिश्चित करने के लिए अनुरोध किया। सांसद सीपी जोशी ने इस अवसर पर कहा कि मोदी सरकार रेलवे की सुविधाओं का विस्तार करने के लिए संकल्पबद्ध है इसी के अंतर्गत कपासन रेलवे स्टेशन पर लगभग 17 करोड़ की लागत से स्टेशन का नव निर्माण और सुविधाओं का विस्तार हो रहा है एवं आज जो युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा जो मांग की गई है उसके संबंध में उच्च अधिकारियों से चर्चा कर यथा संभव राहत दिलाने का प्रयास करेंगे। इस दौरान श्रवण सिंह राव,नगर महामंत्री अशोक विजयवर्गीय, मुंगाना सरपंच कैलाश अहीर, महामंत्री सोहन खटीक,रमेश चोटिया,एजाज अली,अखिलेश तिवारी, सुरेंद्र सिंह राठौड़,विमल सुथार आदि कार्यकता उपस्थित रहे।

एक रेस्टोरेंट पर समझाइश के बाद भी गंदगी करने पर की चालानी

शहर में नपा द्वारा जन-जागरूकता अभियान निरंतर जारी

नीमच- नगरपालिका परिषद् नीमच द्वारा नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी महेंद्र वशिष्ठ के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान निरंतर जारी है। अभियान के तहत स्वास्थ्य सभापति धर्मेश पुरोहित के निर्देश पर शहर के रेस्टोरेंटों और अन्य प्रतिष्ठानों द्वारा फैलाई जा रही गंदगी की रोकथाम हेतु समझाइश के साथ-साथ चालानी कार्रवाई भी की जा रही है। सभापति पुरोहित एवम स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश टांक के नेतृत्व में नगर पालिका की टीम द्वारा सेन सर्कल के समीप फूड रेस्टोरेंट पर पहले 2 बार गंदगी नहीं करने की समझाइश दी गई थी। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा निरीक्षण किए जाने पर उत्सव फूड रेस्टोरेंट पर किचन वेस्ट सब्जी एवम् फास्ट फूड ग्रेवी सीधा नाले में खुले तौर पर बहाने एवम उसका निपटान नही करने पर उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। उक्त कार्यवाही के दौरान स्वच्छता निरीक्षक भारतसिंह भारद्वाज, भेरूलाल अहीर, अविनाश घेंघट एवं संजय शर्मा भी मौजूद रहे।नीमच शहर में चल रहे इस स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाते हुए प्रयाम शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण समिति की टीम द्वारा शुक्रवार 25 अक्टूबर को पोताला मार्केट मे विक्रेताओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। स्वच्छता अभियान के इस क्रम मे दुकानदारों को अपनी दुकान के आसपास गंदगी नहीं करने और अपनी दुकान का गीला और सूखा-कचरा नगर पालिका द्वारा संचालित कचरा वाहन में ही डालने की समझाइश दी गई।

शिक्षा के प्रति लगनशील आदिवासी बेटियो की गुहार ..

सीएम राईज स्कूल मूंदी की बस में आने और वापस जाने की अनुमति अधिकारीगण दे

साधन नही होने से पैदल 12 किमी मूंदी तक आना और जाना पडता है लौटते वक्त अंधेरा हो जाता है

मुंदी ग्राम इंजलवाडा की आदिवासी समाज की आठ बेटिया मूंदी की शासकीय कन्या हायर सेकेण्डरी स्कूल तक प्रतिदिन पढने आती है बेटियो का कहना है कि उन्हे आवागमन का साधन नही होने से पैदल 12 किमी मूंदी तक आना और जाना पडता है लौटते वकत अंधेरा हो जाता है । गायत्री पिता मदनसिह, नेहा पिता चैतराम इंजलवाडा ने बताया कि सीएम राईज स्कूल मूंदी की बस इंजलवाडा से मूंदी आकर वापस लौटती है बस खाली रहती है उन्हे इस बस से मूंदी तक आने और वापस जाने की अनुमति अधिकारीगण दे तो हो उनकी प्रतिदिन पैदल चलने की समस्या हल हो जायेगी । आग्रह – स्कूल पढने वाली ग्रामीण आदिवासी समाज की बेटियो की समस्या वाजिब है यह भी सही है कि सीएमराईज स्कूल की बसे सिर्फ राईज स्कूलो के विदयार्थियो के लिये अधिकृत है इस बाध्यता के बावजूद अधिकारी संवेदनशीलता दिखाये और समस्या के निराकरण का परीक्षण कराकर बेटियो के लिये यदि कोई रास्ता निकल सकता है

तराना मंडी प्रशासन की बड़ी कार्रवाई ट्रैक्टर ट्राली माल सहित जप्त

तराना श्री तुलजा ट्रेडिंग कंपनी द्वारा लगातार नगर में अवैध गतिविधियां संचालित अनाज माफिया के रूप में कार्य कर रहा है कालू बागली तराना नगर में पूर्व में हमारे द्वारा खबर में दिखाया गया था की कालू बागली वाले द्वारा रोड पर अतिक्रमण कर अपनी दुकान चला रहा है पूर्व में भी कालू बागली वाले की चावल की ट्राली पकड़ प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई थी इसी कड़ी में आज सुबह कालू बागली वाले का ट्रैक्टर ट्राली जप्त कर तराना मंडी सचिव द्वारा प्रशंसनीय कार्रवाई की गई साथ ही कालू बागली वाला अनाज माफिया पर शिकंजा कसा गया कृषि उपज मंडी तराना के उड़ान दस्ताने द्वारा पकड़ा डॉलर चना , करीब 6 लाख का माल , 30500 रुपए का जुर्माना करीब आज सुबह से 4:00 और 5:00 के बीच में उड़न दस्ते के रुकवाने पर ,ड्राइवर ट्रैक्टर ट्राली छोड़ भाग तराना नगर में व्यापारियों के द्वारा मंडी प्रशासन और शासन को नुकसान हो रहा है राजस्व की इस चोरी को मुक्त दर्शक बने देख रहे हैं कई नेता जिसमें कुछ व्यापारी तो बड़े नेता भी हैं कृषि उपज मंडी अधिकारी सचिव् ने की कार्रवाई

बालक माध्यमिक विद्यालय कांटाफोड़ में शैक्षिक संवाद का आयोजन

कांटाफोड़ – बालक माध्यमिक विद्यालय कांटाफोड़ में कक्षा 3 से 5 के छात्रों के शैक्षिक विकास और मूल्यांकन के उद्देश्य से विशेष शैक्षिक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहजकर्ता गोपाल मालवीय सह-सहजकर्ता पूनमचंद नीलम बाथरे और बीआरसी से राजेश यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बच्चों की शिक्षा में सुधार के लिए विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य इस संवाद का उद्देश्य छात्रों के शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन कर उनकी प्रगति में सुधार हेतु ट्रैकिंग सिस्टम को और प्रभावी बनाना था। इस दौरान छात्रों के प्रदर्शन पर नजर रखने और उन्हें बेहतर शैक्षिक अवसर प्रदान करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया गया। ट्रैकिंग सिस्टम का सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम में कक्षा 3 से 5 के छात्रों की प्रगति को नियमित रूप से मापने के लिए ट्रैकिंग सिस्टम को सुदृढ़ बनाने पर जोर दिया गया। यह सिस्टम छात्रों की कमजोरियों को पहचानने और उन्हें सुधारने में सहायक होगा। सहजकर्ता द्वारा बताया गया छात्रों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराया और उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने शिक्षकों को भी छात्रों के शैक्षिक विकास में सहयोग देने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में सभी ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और छात्रों की प्रगति के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

पर्यावरण मित्रों ने मुक्तिधाम स्थित आरोग्य संकल्प पर्यावरण वाटिका में चलाया स्वच्छता अभियान

3 घंटे श्रमदान कर 2 ट्राली से अधिक गंदा कचरा किया एकत्रित

नीमच/ स्वच्छता को अपनाना हे शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त प्रदूषण मुक्त बनाना है के उद्देश्य से संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच निरन्तर अभियान चला कर शहर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त बनाने में जुटी हुई है, अभियान के तहत शनिवार दिनांक 26 अक्टूबर 2024 को प्रात: 7 से 10 बजे तक नीमच सिटी मार्ग रोडवेज बस स्टैंड स्थित मुक्तिधाम के समीप आरोग्य संकल्प पर्यावरण वाटिका परिसर जो कंटीली झाड़ियों गाजर घास, गंदा कचरा आदि से लबरेज थी को संस्था सदस्यों ने 3 घंटे श्रमदान कर 2 ट्राली से अधिक कंटीली झाड़ियों गाजर घास खरपतवार, गंदा कचरा एकत्रित कर ढेर लगाए गए , इस अवसर पर संस्थापक संरक्षक इंजिंनियर नवीन कुमार अग्रवाल, अधिवक्ता अजय भटनागर ने बताया कि उक्त वाटिका परिसर में विभिन्न प्रजातियों के औषधीय गुण पाए जाने वाले पोंधे रोपित कर वाटिका परिसर को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त बनाया जायेगा , श्री अग्रवाल ने बताया कि आमजन एवं शहरवासियों से अनुरोध है कि शहर को स्वच्छ सुंदर बनाने में नगरपालिका का सहयोग करें, घरों एवं दुकान से निकलने वाला गंदा कचरा सड़क एवं नालियों में न डालें गंदा कचरा नगरपालिका की कचरा गाड़ी में ही डालें, यह शहर आपका अपना शहर है इसे स्वच्छ सुंदर बनाना हम सभी का दायित्व है,इस अवसर पर संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के अध्यक्ष एवं स्वच्छता विकास अभियान संस्था के महामंत्री किशोर बागड़ी ने बताया कि नीमच शहर ही नहीं बल्कि नीमच जिले को स्वच्छ सुंदर पर्यावरण युक्त बनाने में संस्था विगत 10 वर्षों से संकल्पित है, संस्था सदस्यों द्वारा साप्ताहिक एवं नियमित रूप से अभियान चला कर शहर से गांव तक चहुंओर पोंधे रोपित कर पेड़ बनाने का काम किया जा रहा है, साथ ही स्वच्छता का भी संदेश दिया जा रहा, संस्था सदस्यों द्वारा अब तक 50 हजार से अधिक पोंधे रोपित कर पेड़ बनाने का काम किया है अभियान निरन्तर जारी है, आयोजित स्वच्छता अभियान में दोनों संस्था के संस्थापक संरक्षक अजय भटनागर, नवीन कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, केशव सिंह चौहान, रमेश मोरे , निर्मल देव नरेला, सामाजिक कार्यकर्ता शिव माहेश्वरी ने भी अपने जन्म दिवस के अवसर पर श्रमदान कर सहभागिता निभाई उक्त जानकारी संस्था के संयुक्त सचिव केशव सिंह चौहान ने दी है, किशोर बागड़ी अध्यक्ष संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था नीमच

मदन राठोर भारत सरकार कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के लिए परामर्शदात्री समिति मे

नीमच । भारत सरकार संसदीय कार्य मंत्रालय अधिसूचना जारी G-62, **Sansad Bhavan, New Delhi**-110001 व्दारा दिनांक- 21 अक्टूबर, 2024 को भारत सरकार ने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के लिए परामर्शदात्री समिति का गठन किया है, इसमे राजस्थान के पाली से राज्यसभा सांसद एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष (बीजेपी)मदन राठोर सम्मिलित किए गये। समिति की संरचना निम्नानुसार होगी-- अध्यक्ष Smt. Nirmala Sitharaman वित्त मंत्री; तथा कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री,- श्री हर्ष मल्होत्रा ,कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री; तथा सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री ,सदस्य LOK SABHA 1. Shri Aditya Yadav Lok Sabha,2.डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोईजाम Lok Sabha, 3.श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा Lok Sabha,4.श्री महेंद्र सिंह सोलंकी Lok Sabha, **RAJYA** 1.- Shri Vivek K. Tankha Rajya Sabha,2.श्रीमती पी. टी. उषा Rajya Sabha 3.श्री अरुण सिंह Rajya Sabha,4.Shri Rambhai Harjibhai Mokariya, Rajya Sabha 5.श्री मदन राठौर -**Rajya Sabha** पाली राजस्थान से सांसद,। 6.श्री संजय सेठ Rajya Sabha, 7.Shri Manan Kumar Mishra, Rajya Sabha,। पदेन सदस्य 1. श्री अर्जुन राम मेघवाल विधि एवं न्याय मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री।, 2.डॉ. एल. मुरुगन सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री; तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री,समिति के सदस्य ये सभी परामर्श दात्रि समिति मे लिए गये।

भारत स्काउट एवं गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय के निर्देशानुसार सभी विद्यालयों में सर्फ स्मार्ट 2.0 प्रोजेक्ट के अंतर्गत सरस्वती ज्ञान मंदिर

आगर मालवा

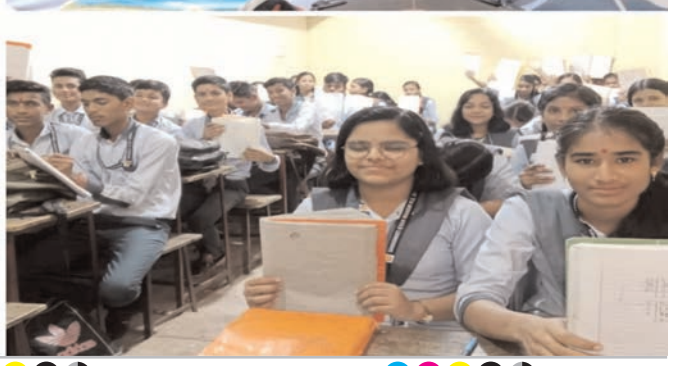

सुसनेर जिला आगर में प्राचार्य सत्येंद्र कुमार शर्मा की उपस्थिति में दिनांक 26 अक्टूबर 24को प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है जिसका उद्देश्य- समूह के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाएं और इस बात पर विचार करें कि वे इंटरनेट का उपयोग कैसे करते हैं और वे अपने ज्ञान और समझ को कहां गहरा करना है प्रशिक्षण स्काउट मास्टर सह नवाचारी शिक्षक भेरुलाल ओसारा द्वारा ऑनलाइन **गतिविधियाँ आरंभ करना** खोजें इंटरनेट चमत्कार जुड़ें सकारात्मक रूप से ऑनलाइन ऑनलाइन जोखिमों से स्वयं को सुरक्षित रखें सम्मान आपके डिजिटल अधिकार और पदचिह्न कल्पना कीजिए एक बेहतर इंटरनेट पर प्रकाश डाला गया इस कार्यशाला में इंटरनेट सुरक्षा से तात्पर्य ऐसी सुरक्षा से है जो इंटरनेट, वेब ब्राउज़र, वेब ऐप, वेबसाइट और नेटवर्क से जुड़े रहने के दौरान सिस्टम और कर्मचारियों और अन्य उपयोगकर्ताओं की गतिविधियों की सुरक्षा के लिए डिज़ाइन की गई है। इंटरनेट सुरक्षा समाधान उपयोगकर्ताओं और कॉर्पोरेट संपत्तियों को साइबर सुरक्षा हमलों और खतरों से बचाते हैं।साथ ही साइबर अपराध को साइबर अपराधियों द्वारा की जाने वाली अवैध गतिविधियों की विशाल श्रृंखला के अंतर्गत माना जाता है। इनमें हैकिंग, फ़िशिंग, पहचान की चोरी , रैनसमवेयर और मैलवेयर हमले, कई अन्य शामिल हैं और इनसे केसे हम कैसे अपने आप को सुरक्षित रख सके इससे महत्वपूर्ण जानकारी बच्चो को प्रदान की गई द्य इस अवसर पर संस्था के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे

पूर्व नगर परिषद अमानगंज अध्यक्ष रज्जू भैया का दुखद निधन

पन्ना अमानगंज नगर की राजनीति एवं एक बेबाक दबंग राजनेता का यूँ चला जाना नगर सहित समूचे जिले के लिए अपूर्णीय क्षति है। जैसे ही नगर के लोगों को रज्जू भैया के निधन की जानकारी लगी तो भारी संख्या में लोग उनके निवास पर सुबह से ही पहुँच रहे थे। दो बजे के आसपास उनका पार्थिव शरीर नागपुर से एक एम्बुलेंस से जैसे ही आया उपस्थिति लोगों की आखों में आंसू बहने लगे साथ ही रज्जू भैया के परिजनों का हाल बेहाल था। इस दुखद क्षणों में नगर के नागरिक सभ्रांत नागरिक पत्रकार लोगों ने अपनी संवेदना प्रकट की. साथ ही उनके परिजनों को इस असीम पीड़ादायक बेरहम दुःख को सहन करने की शक्ति के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता है।उल्लेखनीय है कि अमानगंज नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता और पंडित स्वर्गीय हरवंश लाल दुबे के द्वितीय सुपुत्र व अशोक दद्दा के अनुज भ्राता साथ ही नगर परिषद् के उपाध्यक्ष सौरभ दुबे (छोटू) के पिता एवं पत्रकार साथी विजय दुबे एवं अजय दुबे के चाचा का लंबी बीमारी के चलते रात्रि में महाराष्ट्र के नागपुर में एक निजी चिकित्सालय में इलाज के दौरान दुखद निधन हो गया है। गौरतलब है कि नगर की एक वह आवाज आज शांत हो गई जो जब भी बोलती थी बड़ी ही बेबाकी और तेजतर्रार होती थी। मसलन रज्जू भैया का पांच साल का नगर परिषद् का कार्यकाल विकास एवं उन्नति का रहा है। आज दोपहर तीन बजे के मिढासन नदी के किनारे श्मशान घाट पर रज्जू भैया के इकलोते बेटे सौरभ छोटू ने अपने पिता के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी इसके पहले उनके निवास पर अंतिम दर्शन के लिए पार्थिव देह को उनके निवास पर रखा गया जिस पर लोगों ने अपने श्रृध्दांजलि अर्पित की।

रेलवे का सख्त कदम

रिजर्वेशन वाले कोच में नहीं चढ़ पाएंगे जनरल टिकट वाले

नई दिल्ली. आगामी दिवाली और छठ पर्व पर होने वाली भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुछ नई व्यवस्थाएँ लागू की हैं। इस बार बिना रिजर्वेशन वाले यात्रियों को रिजर्व कोच में चढ़ने की अनुमति नहीं होगी और स्टेशन में प्रवेश के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं।

बिना टिकट वालों की एंट्री पर सख्ती बिना टिकट यात्रियों के लिए प्लेटफॉर्म पर अलग एंट्री की व्यवस्था की गई है। ये यात्री गेट नंबर 12 से प्रवेश करेंगे और उन्हें ग्रीन पाथ के माध्यम से प्लेटफॉर्म नंबर 16 पर पहुंचाया जाएगा।

यहाँ पर पानी, पंखे और लाइट की भी व्यवस्था की गई है। पुलिस बल द्वारा रस्सियों के सहारे रास्ता बनाकर उन्हें उनके जनरल कोच तक पहुँचाया जाएगा, ताकि भगदड़ जैसी स्थिति से बचा जा सके।

रिजर्वेशन वाले यात्रियों के लिए विशेष एंट्री गेट जिन यात्रियों का रिजर्वेशन है, उनके लिए गेट नंबर 7 और 10 से एंट्री की व्यवस्था है। इसके अलावा, अगर ये यात्री अपनी ट्रेन के समय से पहले स्टेशन पहुँच जाते हैं, तो उनके लिए अलग होल्डिंग एरिया भी बनाया गया है ताकि वे आराम से प्रतीक्षा कर सकें।

क्लोन ट्रेनों की व्यवस्था अगर बिना रिजर्वेशन यात्रियों की संख्या बहुत अधिक होती है, तो चार प्रमुख ट्रेनों – बिहार संपर्क क्रांति (12566), संपूर्ण क्रांति (12394), वैशाली एक्सप्रेस (12554), और पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (12802) के अलावा पूरी तरह अनरिजर्व्ड क्लोन ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे यात्रियों को सीट पाने में सुविधा होगी और भीड़भाड़ भी नियंत्रित रहेगी।

बीन्स 200 रुपए, टमाटर 100 रुपए किलो...

दिवाली से पहले सब्जियों की कीमतें छू रही आसमान

नेशनल डेस्क. पश्चिम बंगाल के खुदरा बाजारों में खासकर राजधानी कोलकाता में अगले सप्ताह काली पूजा और दिवाली के त्यौहारों से पहले आखिरी रविवार को सब्जियों की कीमतें आसमान छू रही हैं। आशंका है कि अगले सप्ताह सब्जियों की कीमतें और बढ़ेंगी, जिसके दो कारण हैं- पहला यह कि त्यौहारों के दिनों में सब्जियों की भारी मांग है और दूसरा यह कि पिछले सप्ताह चक्रवात दाना के कारण हुई भारी बारिश के कारण खेतों में पानी भर जाने से उत्पादन में कमी आने की आशंका है। शहर के खुदरा बाजारों में बीन्स अधिकतम 200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही हैं। हरी मिर्च, जो बंगाली खाने का एक अहम हिस्सा है, 150 रुपये प्रति किलोग्राम पर बिक रही है, जबकि टमाटर का दाम 100 रुपये प्रति किलोग्राम है। अन्य मुख्य सब्जियों की कीमतें भी खुदरा बाजारों में काफी अधिक हैं। भिंडी 60 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही है, जबकि करेला 90 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है। औसत मध्यम वर्ग के लोगों की जेब पर सबसे ज्यादा असर आलू के दाम पर पड़ रहा है, जो खुदरा बाजारों में 35 से 40 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बिक रहा है। फूलगोभी का एक टुकड़ा 35 से 40 रुपये में बिक रहा है। खाने के साथ सलाद पसंद करने वालों के लिए भी अच्छी खबर नहीं है। सलाद के लिए जरूरी दो चीजें गाजर और खीरा क्रमशः 50 रुपये और 80 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहे हैं।

जर्मनी ने भारतीय कुशल श्रमिकों के लिए वीजा कोटा 350% बढ़ाकर 90,000 किया

नेशनल डेस्क. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जर्मनी ने कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए अपना वार्षिक वीज़ा कोटा 20,000 से बढ़ाकर 90,000 कर दिया है, जो 3.5 गुना वृद्धि दर्शाता है। इस कदम के बारे में आशा व्यक्त करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बढ़ा हुआ वीज़ा कोटा जर्मनी की कुशल श्रम की मांग को संबोधित करके उसकी आर्थिक वृद्धि को बढ़ाएगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को भी मजबूत करेगा। नतीजतन, भारतीय पेशेवरों को जर्मनी में अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे।

पीएम मोदी ने दिल्ली में 18वें एशिया-प्रशांत सम्मेलन जर्मन बिजनेस 2024 में यह टिप्पणी की, जो जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज की भारत यात्रा के बाद हुआ। इससे पहले दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में पीएम मोदी के आधिकारिक आवास पर आमने-सामने की बैठकें कीं। स्कोल्ज़ की तीन दिवसीय भारत यात्रा शनिवार को समाप्त हो रही है।

आज बाद में भारत और जर्मनी 7वें अंतर-सरकारी परामर्श का भी आयोजन करेंगे, जिसकी सह-अध्यक्षता दोनों नेता करेंगे। इस दौरान सुरक्षा और रक्षा साझेदारी बढ़ाने, प्रतिभाओं की गतिशीलता बढ़ाने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में कहा- यह वर्ष भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का 25वां वर्ष है। अब आने वाले 25 वर्ष इस साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। हमने आने वाले 25 वर्षों में भारत के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया है।

दिल्ली में अपने कार्यक्रमों के बाद शोल्ज दो जर्मन नौसैनिक जहाजों, फ्रिगेट बाडेन-वुर्टेमबर्ग और सहायक जहाज फ्रैंकफर्ट एम मेन का स्वागत करने के लिए गोवा की यात्रा भी करेंगे। यह परियोजना जर्मनी की इंडो-पैसिफिक तैनाती का एक हिस्सा है। शोल्ज की वर्तमान यात्रा 2021 में पदभार ग्रहण करने के बाद से उनकी तीसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वे सितंबर 2023 में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली आए थे।

न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी ने पाकिस्तान के 30वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

इंटरनेशलन डेस्क: न्यायमूर्ति याह्या अफरीदी ने पाकिस्तान के 30वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शनिवार को शपथ ली। अफरीदी ने शीर्ष सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित एक समारोह में काजी फैज ईसा के स्थान पर शपथ ली। ईसा 65 वर्ष की आयु में शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए हैं। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने पाकिस्तान के संविधान के तहत अफरीदी को देश के नये प्रधान न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति भवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, कैबिनेट मंत्री, सेवा प्रमुख, अन्य अधिकारी और प्रमुख नागरिक शामिल हुए। न्यायमूर्ति अफरीदी को हाल ही में पारित 26वें संविधान संशोधन के बाद गठित एक विशेष संसदीय समिति द्वारा प्रधान न्यायाधीश के रूप में नामित किया गया था। इस संविधान संशोधन से पाकिस्तान की न्यायपालिका में कई बदलाव हुए थे। एसपीसी ने पिछले नियम के विपरीत नियुक्ति का निर्णय लेकर अफरीदी को प्रधान न्यायाधीश पद के लिए नामित किया। पुराने नियम के तहत, जो न्यायाधीश सबसे वरिष्ठ होता था वही देश का प्रधान न्यायाधीश बनता था। ऐसे में वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति मंसूर अली शाह को प्रधान न्यायाधीश बनना था। अफरीदी को जून 2018 में उच्चतम न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। उन्होंने दिसंबर 2016 में पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) के सबसे युवा मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। याह्या अफरीदी का 23 जनवरी 1965 को जन्म हुआ था और वह कोहाट फ्रंटियर क्षेत्र से हैं। अफरीदी को 15 मार्च 2010 को अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में उच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था तथा तत्पश्चात 15 मार्च 2012 को उन्हें उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। वह 1991 में उच्च न्यायालय और 2004 में सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता के रूप में नामांकित हुए। प्रधान न्यायाधीश अफरीदी ने 1988 में पंजाब विश्वविद्यालय के विधि कॉलेज से विधि स्नातक (बीए एलएलबी) और 1990 में ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के जीसस कॉलेज से एलएलएम किया था। प्रधान न्यायाधीश अफरीदी को कई संवैधानिक और राजनीतिक मामलों का सामना करना पड़ेगा, जिन पर उन्हें आने वाले सप्ताहों और महीनों में निर्णय लेना होगा।

पेंशनर्स को सरकार की सौगात

80 साल से अधिक उम्र वालों को मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

नेशनल डेस्क. सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन में एक नई सुविधा जोड़ी गई है। केंद्र सरकार ने 80 साल से अधिक उम्र के पेंशनर्स को अनुकंपा भत्ता देने का निर्णय लिया है। यह जानकारी लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सर्कुलर में दी गई है।

अतिरिक्त पेंशन का लाभ

मंत्रालय के सर्कुलर के अनुसार, 80 साल से अधिक उम्र के पेंशनर्स को अब अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिससे पेंशन का वितरण आसान और तेजी से किया जा सकेगा।

कब से मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

मंत्रालय के अनुसार, जब पेंशनर की आयु सीमा 80 वर्ष तक पहुंचेगी, तो उस महीने के पहले दिन से अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता लागू हो जाएगा। यह निर्णय पेंशनर्स के जीवन-यापन को आसान बनाने के लिए लिया गया है, ताकि उन्हें कोई आर्थिक समस्या न हो। सभी पेंशनर्स को समय पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिले। इसके लिए मंत्रालय ने संबंधित विभागों और बैंकों को सूचना भेजने का निर्देश दिया है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बड़ा आत्मघाती हमला, आठ लोगों की मौत

नेशनल डेस्क. पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को एक पुलिस चौकी को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती हमले में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के छह कर्मियों सहित कम से कम आठ लोग मारे गए और कई अन्य लोग घायल हो गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले के मीर अली तहसील में असलम जांच चौकी पर हुआ। सूत्रों ने बताया कि तीन पहिया वाहनों पर सवार होकर आए हमलावरों ने जांच चौकी और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मारी, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई।

सूत्रों के मुताबिक, मारे गये लोगों में चार पुलिसकर्मी, दो सैनिक और दो नागरिक शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में कई अन्य लोग घायल हुए हैं,

जिन्हें मीरान शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के अनुसार, हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने इलाके को घेर लिया है।

खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंदी ने हमले की निंदा की। उन्होंने कहा, आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में सुरक्षा बलों के बलिदान को लंबे समय तक याद रखा जाएगा। क्षेत्र से आतंकी संगठनों के पूरी तरह खत्म होने तक उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में आतंकवादियों ने बृहस्पतिवार को जांचचौकी पर हमला किया, जिसमें 10 सुरक्षाकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए थे।

मेक्सिको में भीषण सड़क हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बस, 19 लोगों की दर्दनाक

इंटरनेशलन डेस्क: शनिवार को मेक्सिको के मध्य राज्य जकाटेकास में एक राजमार्ग पर एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 19 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना सुबह के समय घटित हुई, जब पीड़ितों को ले जा रही बस, मक्का ले जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पिछले हिस्से से टकरा गई।

ज़ाकाटेकास के गवर्नर डेविड मोनरियल ने शनिवार को पहले 24 लोगों की मौत की प्रारंभिक रिपोर्ट दी थी, लेकिन बाद में राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने एक बयान में इस संख्या को संशोधित किया। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि वह ट्रैक्टर-ट्रेलर के चालक को गिरफ्तार करने के लिए जांच कर रहा है।

नाम न बताने की शर्त पर एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि शनिवार की सुबह खड्ड में गिरे कुछ शवों को निकालने के प्रयास जारी थे। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में बचाव दल और सैन्य कर्मियों सहित सुरक्षा बलों को क्षेत्र की सुरक्षा करते हुए दिखाया गया है, जबकि बचाव दल शवों को निकालने का काम कर रहे हैं। बस सियुदाद जुआरेज़ जा रही थी, जो चिहुआहुआ राज्य में यू.एस.-मेक्सिको सीमा पर स्थित एक शहर है।

अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अनुसार, पीड़ितों में प्रवासी शामिल नहीं थे।

खालिस्तानी उग्रवादी समूहों से जुड़ी घटनाओं ने कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई

इंटरनेशलन डेस्क: हाल के हफ्तों में, खालिस्तानी उग्रवादी समूहों से जुड़े घटनाओं ने कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसने देश की प्रसिद्ध बहुसांस्कृतिक व्यवस्था पर बहस को जन्म दिया है। एडमोंटन से सांसद चंद्र आर्य ने इस मुद्दे पर एक संसदीय बयान दिया। उसने एक चिंताजनक व्यक्तिगत अनुभव साझा किया, जिसमें कहा, दो हफ्ते पहले, मैं एडमोंटन में एक हिंदू कार्यक्रम में केवल आरसीएमपी (रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस) अधिकारियों की सुरक्षा के साथ भाग ले सका, क्योंकि खालिस्तानी विरोधियों ने मेरे खिलाफ प्रदर्शन किया था।आर्य ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, कनाडा में, हमने लंबे समय से खालिस्तानी उग्रवाद की समस्या को पहचाना और अनुभव किया है। कृपया स्पष्ट कर दूं। कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करना अनिवार्य है और यहां विदेशी हस्तक्षेप किसी भी रूप में अस्वीकार्य है।

RCMP ने खालिस्तानी उग्रवाद के कारण पैदा होने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया है। आर्य ने आरसीएमपी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा, खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा की समस्या है और आरसीएमपी ने कहा है कि राष्ट्रीय कार्यबल इस पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह कार्यबल देश में काम कर रहे विभिन्न उग्रवादी समूहों के द्वारा उत्पन्न खतरों को रोकने और संबोधित करने के प्रयास में है। विशेषज्ञों का मानना है कि उग्रवाद और आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जो राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानते। उग्रवादी विचारधाराएं आसानी से सीमाओं को पार कर सकती हैं। हमारी जुड़ी हुई दुनिया में, डॉ. माया सिंह, टोरंटो विश्वविद्यालय की एक आतंकवाद-निरोधक विश्लेषक ने कहा। कनाडा की विविधता इसकी ताकत है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत तंत्र की आवश्यकता है कि उग्रवादी तत्व सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता को कमजोर न करें।

खालिस्तानी गतिविधियों में हालिया वृद्धि ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए अधिक सतर्कता की मांग की है। आर्य ने कनाडाई अधिकारियों से अपील की, मैं हमारे कानून प्रवर्तन एजेंसियों से कहता हूँ कि इस मुद्दे को पूरी गंभीरता के साथ लें। समुदाय के नेताओं ने शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। जब हम किसी भी प्रकार के हिंसा या उग्रवाद की निंदा करते हैं, तो यह जरूरी है कि हम समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद करें ताकि उन मुद्दों को समझा जा सके जो ऐसे आंदोलनों को बढ़ावा देते हैं, कहा हरप्रीत कौर ने, एडमोंटन सिख समुदाय परिषद के प्रवक्ता ने। जैसे-जैसे कनाडा इन चुनौतियों से जूझता है, सवाल उठता है कि क्या यह देश अपनी सुरक्षा और समावेशिता के मूल्यों को कायम रख सकेगा जो इसके लिए जाना जाता है। आर्य ने एक प्रश्न उठाते हुए कहा, क्या यह वह कनाडा है जिसे हम सभी जानते हैं? यह सवाल उन लोगों के लिए एक साझा भावना है जो चिंतित हैं कि बढ़ते उग्रवाद से देश की बहुसांस्कृतिक और शांति का नाम खराब हो सकता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569